मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 192
रविवार, 25 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अब हर गांव तक पहुंचा विकास: अमित शाह

लखनऊ, 24 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (एसपी) और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) समेत विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर अपने शासनकाल में उत्तर प्रदेश को ₹बीमार₹ राज्य बनाने का आरोप लगाया। वहीं उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में बदल दिया है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर बोलते हुए शाह ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हासिल विकास की व्यापकता पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति देखी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दशकों से चली आ रही गतिरोध और उपेक्षा को उलटते हुए अब विकास उत्तर प्रदेश के हर गांव तक पहुंच चुका है।

शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब उत्तर प्रदेश को श्रम का स्त्रोत माना जाता था। आज यह भारत की अर्थव्यवस्था का प्रेरक बल बन गया है। कांग्रेस, सपा और बसपा ने इसे 'बीमार' राज्य बना दिया था। भाजपा सरकार ने इसे एक प्रगतिशील राज्य में बदल दिया है और अब विकास हर गांव तक पहुंच चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री ने 15 अगस्त 2047 तक उत्तर प्रदेश को पूर्ण विकसित राज्य में बदलने की उम्मीद भी जताई, जब देश अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को, जब देश अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, उत्तर प्रदेश एक पूर्ण विकसित राज्य होगा और विकसित भारत का अभिन्न अंग होगा। उत्तर प्रदेश भारत का दिल और आत्मा है। उत्तर प्रदेश भारत का विकास इंजन बन रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान, शाह ने अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को नवाचार और अंतरिक्ष अन्वेषण में उनके योगदान के लिए 'उत्तर प्रदेश गौरव' सम्मान से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है, जो 1950 में संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश रखे जाने की स्मृति में मनाया जाता है, जो भारतीय संविधान को अपनाने से दो दिन पहले हुआ था। तब से, राज्य ने भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश ने भारत के औद्योगिक विकास में भी योगदान दिया है, जिसमें कानपुर एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरा है। नवंबर 2000 में, उत्तराखंड नामक पहाड़ी राज्य को उत्तर प्रदेश से अलग करके बनाया गया, जिससे इस क्षेत्र के प्रशासनिक परिदृश्य में और भी बदलाव आया।

मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा के अगरवुड किसानों को मिलेगा पूरा मूल्य: सिंधिया

अगरतला, त्रिपुरा/गुवाहाटी/ नई दिल्ली, 24 जनवरी। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज शनिवार को अपने तीन दिवसीय त्रिपुरा-असम प्रवास के दूसरे दिन त्रिपुरा के उत्तर फुलबारी पहुंचे, जहाँ उन्होंने 80 करोड़ की अगरवुड़ वैल्यू चेन विकास योजना का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित पूर्वोत्तर के विजन के तहत वे इस दौरे पर इस क्षेत्र के लिए कई सौगातें लेकर आए हैं, जिनमें से कुछ कल शुक्रवार को प्रवास के पहले दिन जनता के नाम की गई, आज अगरवुड़ वैल्यू चैन का शिलान्यास किया गया और कल मातबारी टूरिज्म सर्किट के रूप में सबसे बड़ी सौगात दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि देश की अगरवुड़ उत्पादन क्षमता मुख्यतः त्रिपुरा और असम में केंद्रित है, और इस योजना के माध्यम से इन दोनों राज्यों की शक्ति को नई ऊर्जा देने का कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत खेत में पेड़ से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में परफ्यूम की बोतल तक अगरवुड़ की संपूर्ण वैल्यू चेन को मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि इसके अंतर्गत दो सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे जिनमें से एक गोलाघाट (असम) में और दूसरा त्रिपुरा के इसी क्षेत्र में बनेगा। इन केंद्रों के माध्यम से प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की समग्र व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे बिचौलियों को हटाकर किसानों को उनके उत्पाद का पूरा मूल्य प्राप्त हो सके।

सिंधिया ने कहा कि अगरवुड़ सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, निर्यात कोटा छह गुना बढ़ाया गया है, चिप्स 25,000 किग्रा से बढ़ाकर 1.5 लाख किग्रा किया गया है, ऑयल 1,500 किग्रा से बढ़ाकर 7,500 किग्रा किया गया है एवं साइट्स और अनुमतियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया जा रहा है, ताकि किसान सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य स्पष्ट है, बिचौलिये हटें और पूरा लाभ सीधे किसान तक पहुँचे।

लोकतांत्रिक भागीदारी पर खतरा, बंगाल में एसआईआर को लेकर बढ़ी अमर्त्य सेन की बेचैनी

कोलकता, 24 जनवरी। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है और साथ ही चेतावनी दी है कि यह मतदाताओं के साथ अन्याय है और राज्य विधानसभा चुनावों से कुछ ही महीने पहले लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकती है। शनिवार को बोस्टन से प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा कि हालांकि मतदाता सूचियों का संशोधन सावधानीपूर्वक किए जाने पर लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है, लेकिन बंगाल में वर्तमान प्रक्रिया में पर्याप्त समय और निष्पक्षता का अभाव है। सेन ने कहा कि पर्याप्त समय के साथ सावधानीपूर्वक की गई मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इस समय ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर को जल्दबाजी में तैयार किया जा रहा है, जिससे मतदान के अधिकार वाले लोगों को आगामी विधानसभा चुनावों में अपने मतदान के अधिकार को साबित करने के लिए पर्याप्त दस्तावेज जमा करने का मौका नहीं मिल पा रहा है। यह मतदाताओं के साथ अन्याय है और भारतीय लोकतंत्र के लिए भी अनुचित है। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अपने अनुभव को याद करते हुए सेन ने कहा कि चुनाव आयोग के अधिकारियों में भी समय की कमी साफ तौर पर दिखाई दे रही थी। उन्होंने कहा कि कभी-कभी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को ही पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। सेन ने बताया कि शांतिनिकेतन - उनका गृह निर्वाचन क्षेत्र - से मतदान करने के उनके अधिकार पर सवाल उठाए गए, जबकि वे पहले ही वहां मतदान कर चुके थे और उनका विवरण पहले से ही दर्ज था। जब उन्होंने शांतिनिकेतन में मेरे गृह निर्वाचन क्षेत्र से मतदान करने के मेरे अधिकार पर सवाल उठाया - जहाँ से मैंने पहले भी मतदान किया है, और जहाँ मेरा नाम, पता और अन्य विवरण आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज हैं - तो उन्होंने मेरी दिवंगत माता की जन्मतिथि पर उनकी आयु के बारे में पूछा, जबकि स्वयं एक मतदाता होने के नाते, मेरी माता का विवरण भी मेरे विवरण की तरह उनके अपने आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज था।

केरल में पीएम मोदी की गारंटी: एलडीएफ व यूडीएफ के कुशासन का होगा अंत, बीजेपी लाएगी विकास का युग

केरल, 24 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चुनाव वाले राज्य तिरुवनंतपुरम के अपने दौरे के बाद कहा कि केवल भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए ही विकासशील केरलम के सपने को साकार कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ को राज्य के विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि कल तिरुवनंतपुरम का दौरा अविस्मरणीय था। केवल भाजपा-एनडीए ही विकासशील केरलम के सपने को साकार कर सकता है, जबकि यूडीएफ और एलडीएफ को विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है।

एक दिन पहले, प्रधानमंत्री ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों और एक यात्री ट्रेन सहित चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उनका उद्घाटन किया। तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की सराहना की और कहा कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा दशकों से की गई उपेक्षा का अंत और विकास और सुशासन के एक नए युग की शुरूआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए दोनों मोर्चों की आलोचना भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने ही अलग-अलग तरीकों से केरल को भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और तुष्टीकरण की राजनीति के दुष्चक्र में धकेल दिया है। भले ही वे अलग-अलग झंडे और चिन्हों का इस्तेमाल करते हों, लेकिन उनकी मूल राजनीतिक रणनीति और एजेंडा लगभग एक जैसे ही हैं: व्यापक भ्रष्टाचार, जवाबदेही का अभाव और विभाजनकारी सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना। दोनों पार्टियां भली-भांति जानती हैं कि सत्ता में आने का उनका अवसर हर पांच साल में फिर से आता है, फिर भी मूल मुद्दे अनसुलझे ही रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दशकों से, एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने ही तिरुवनंतपुरम की उपेक्षा की है, जिससे शहर बुनियादी सुविधाओं और अवसंरचना से वंचित रहा है। वामपंथी और कांग्रेस लगातार हमारे लोगों की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हालांकि, हमारी भाजपा टीम ने पहले ही एक विकसित तिरुवनंतपुरम की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। इस शहर के लोगों से मैं कहता हूं: विश्वास रखें - वह बदलाव जो लंबे समय से प्रतीक्षित था, आखिरकार आने वाला है।

राहुल गांधी ने गुजरात में चुनाव आयोग पर सुनियोजित मत चोरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात में चुनाव आयोग पर सुनियोजित मत चोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का दुरुपयोग भाजपा के पक्ष में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो हो रहा है, वह कोई सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। उनके अनुसार, यह चुनिंदा मतदाताओं को हटाने का एक सुनियोजित और संगठित प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया रणनीतिक है और इसका उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना नहीं बल्कि चुनाव परिणामों को बदलना है।

राहुल गांधी ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि हजारों आपत्तियां एक ही नाम से दर्ज की गईं। उन्होंने दावा किया कि इससे इस बात पर गंभीर सवाल उठते हैं कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान ऐसी आपत्तियों को कैसे स्वीकार किया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कुछ खास समुदायों और कांग्रेस समर्थक बूथों के मतदाताओं को जानबूझकर मतदाता सूची से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में भाजपा की हार की आशंका थी, वहां मतदाताओं को चुपचाप मतदाता सूची से हटा दिया गया।

राहुल गांधी ने दावा किया कि यह पैटर्न सबसे पहले आलंद और राजुरा में देखा गया और अब गुजरात में दोहराया जा रहा है।

पार्टी लाइन का कभी उल्लंघन नहीं किया, ऑपरेशन सिंदूर पर अपने रुख पर खेद नहीं: शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में पार्टी के घोषित रुख का कभी उल्लंघन नहीं किया और सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर ने यहां केरल साहित्य महोत्सव के एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने उस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया था और उन्हें इसका खेद नहीं है। उनका यह बयान इन हालिया खबरों के बीच आया है जिनमें थरूर के पार्टी नेतृत्व से मतभेद की बात कही गई है। ऐसी अटकलें हैं कि थरूर इस बात से आहत हैं कि राहुल गांधी ने हाल में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर उनके मौजूद होने के बावजूद उनके नाम का उल्लेख नहीं किया ।

समस्याओं से जूझता भारतीय गणतंत्र: 2026 की कठोर सच्चाई

-प्रियंका सौरभ

दो हजार छब्बीस का गणतंत्र दिवस नजदीक आते ही देशभक्ति का उन्माद छा जाता है। राजपथ पर भव्य परेड, ड्रोन शो, सैन्य मिस्बाह प्रदर्शन—सब कुछ चकाचौंध। राष्ट्रपति का भाषण, प्रधानमंत्री का संदेश, स्कूलों में निबंध प्रतियोगिताएँ। लेकिन उत्सव के परदे के पीछे भारत का गणतंत्र बदहाली से जूझ रहा है। सत्तावन वर्षों बाद भी भ्रष्टाचार, हिंसा, बलात्कार, सांप्रदायिक नफरत जैसी बुराइयाँ समाज को खा रही हैं। विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका भारत आर्थिक चमक-दमक के साथ-साथ गरीबी, असमानता के अंधेरे में डूबा है। लोकतंत्र की आड़ में तानाशाही प्रवृत्तियाँ पनप रही हैं। युवा बेरोजगारी से त्रस्त, किसान आत्महत्या के आँकड़ों में शामिल हो रहे। महिला असुरक्षा चरम पर, न्याय व्यवस्था चरमरा गई। गणतंत्र दिवस अब चिंतन का अवसर बनना चाहिए—हम कहाँ गलत हो गए? क्या हमारा संविधान अब भी प्रासंगिक है, या समय के साथ अप्रासंगिक हो चला? भारत का गणतंत्र उन्नीस सौ पचास में जन्मा था। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान ने उच्च आदर्श स्थापित किए—समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व। लेकिन सत्तावन वर्ष बाद वास्तविकता कड़वी है। अर्थव्यवस्था विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी बताई जाती है, परंतु शीर्ष एक प्रतिशत अमीरों के पास पचासी प्रतिशत संपत्ति केंद्रित। सत्तर से अधिक अरबपति मिलकर राष्ट्रीय बजट से अधिक धन रखते हैं। बहुआयामी गरीबी इक्कीस प्रतिशत आबादी को लील रही। ग्रामीण भारत में छियालीस प्रतिशत परिवार मूलभूत सुविधाओं से वंचित। शहरी झुग्गी-झोपड़ियाँ बढ़ रही, जबकि मेट्रो शहरों में लग्जरी टावर उभर रहे। यह असमानता सामाजिक विस्फोट का कारण बनी। महिला अनुपात नौ सौ बीस प्रति हजार, कुपोषण में पैंतीस प्रतिशत बच्चे स्टंटेड। एनएफएचएस-छह के आँकड़े चेतावनी हैं—पोषण रहित नस्लें भारत का भविष्य नहीं संवारी जा सकतीं।

भ्रष्टाचार इस गणतंत्र का कैंसर बन चुका। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के दो हजार पच्चीस सूचकांक में भारत पचासीवें स्थान पर लुढ़क गया। राजनीति से नौकरशाही, व्यापार से न्यायपालिका तक भ्रष्टाचार व्याप्त। दो हजार छब्बीस के चुनावों में चुनावी बॉन्ड घोटाले ने नया विवाद खड़ा किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के डीपफेक ने प्रचार को और जटिल बना दिया। कॉर्पोरेट धन ने पार्टियों को खरीद लिया। सड़क निर्माण से लेकर हवाई अड्डे तक हर ठेका कमीशन का शिकार। डीबीटी ने पाँच लाख करोड़ की बचत तो की, लेकिन आधार डेटा लीक, पैन कार्ड धोखाधड़ी ने नई समस्याएँ खड़ी कीं। निचले स्तर पर चपरासी से लेकर थाना प्रभारी तक रिश्वतखोरी आम। यह भ्रष्टाचार लोकतंत्र की जड़ें खोखला कर रहा। राजनीति का अपराधीकरण गंभीर संकट। अठारहवीं लोकसभा में दो सौ पचास से अधिक सांसद आपराधिक मामलों से जूझ रहे। हत्या, अपहरण, बलात्कार के आरोपी विधायक बन रहे। धनबल-बाहुबल ने चुनाव प्रक्रिया विकृत कर दी। एक लाख करोड़ के अनुमानित चुनावी खर्च में चालीस प्रतिशत फंड का स्त्रोत अस्पष्ट। नकदी बंटवारे, शराब की नदियाँ, वोटर स्लिप के नाम पर खरीद-फरोख्त। जातिवाद ने राजनीति को जकड़ लिया। उत्तर प्रदेश में यादव-जाट, बिहार में कुर्मी-राजपूत, हर राज्य में जाति की राजनीति। सम्प्रदायवाद ने सांप्रदायिक दंगों को हवा दी। दो हजार पच्चीस में उत्तराखंड, मणिपुर में दंगे भड़के। सोशल मीडिया पर ध्रुवीकरण चरम पर—व्हाट्सएप फॉरवर्ड से लेकर ट्विटर ट्रेंड तक नफरत का जहर।

महिला असुरक्षा गणतंत्र के लिए कलंक। निर्भया कांड से हाथरस, उन्नाव तक बलात्कार की घटनाएँ थम नहीं रही। प्रतिदिन छियासी मामले दर्ज, वास्तविक आँकड़े दोगुने। दलित महिलाओं पर अत्याचार दोगुने हो गए। शहरों में स्टॉकिंग, ग्रामीण क्षेत्रों में खाप पंचायतों का डर। निर्भया फंड के दस हजार करोड़ व्यय नगण्य। फास्ट-ट्रैक कोर्ट अपर्याप्त, साइबर सेल निष्क्रिय। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न बढ़ा, बॉलीवुड से लेकर कॉर्पोरेट तक मी-टू आंदोलन थम गए। लिंग भेदभाव शिक्षा-रोजगार में बरकरार। लड़कियों की स्कूल ड्रॉपआउट दर ऊँची। यह असुरक्षा समाज की आधी आबादी को बाँधे रख रही। न्याय व्यवस्था चरमरा गई। चार लाख पचास हजार मामले लंबित, जज-जनसंख्या अनुपात उन्नीस प्रति दस लाख। उच्च न्यायालयों में औसतन दस वर्ष लगते हैं। अन्याय बराबर न्याय में देरी। वकीलों की हड़तालें, जजों की कमी, जटिल कानून। ई-कोर्ट प्रोजेक्ट अधर में। पुलिस सुधार नाममात्र के—औपनिवेशिक मानसिकता कायम। थानों में रिश्वत, हिरासत में टॉर्चर आम। एस आई टी गठन के बाद भी रख्ळ रिपोर्ट दब जाती हैं। खाप पंचायतों ने कानून हाथ में ले लिया। पितृसत्ता परिवारों में लोकतंत्र को कुचल रही। क्षेत्रवाद तीव्र—बंगाल में टीएमसी, केरल में एलडीएफ केंद्र के विरुद्ध। दक्षिणी राज्य भाषा-आरक्षण के नाम पर विद्रोह पर उतारू। पूर्वोत्तर में अलगाववाद सुलगा हुआ।

युवा बेरोजगारी तेईस प्रतिशत पर। आईआईटी-आईआईएम से सिविल सेवा न निकलने वाले स्टार्टअप की ओर। लेकिन अधिकांश बेरोजगार ग्रामीण युवा कौशलहीन। किसान संकट गहरा—न्यूनतम समर्थन मूल्य की माँग अधर में। पंजाब-महाराष्ट्र में कर्ज से आत्महत्या का सिलसिला। बाढ़-सूखे ने फसलें बर्बाद कीं। एमएसपी कानून बनने के बाद भी किसान सड़कों पर। प्रदूषण घातक—दिल्ली का एक्यूआई पाँच सौ पार। यमुना-गंगा काली। जलवायु संकट बाढ़-सूखा चक्रवृद्धि। नक्सलवाद छत्तीसगढ़-झारखंड में सक्रिय। आतंकवाद जम्मू-कश्मीर से केरल तक फैला। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर यूपीएपीए, सूचना प्रौद्योगिकी नियमों का दुरुपयोग। पत्रकार जेलों में, सोशल मीडिया सेंसरशिप। क्या कोई समाधान संभव? भ्रष्टाचार पर डीबीटी ने लाभ पहुँचाया, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता निगरानी, ब्लॉकचेन मतदान आवश्यक। निर्भया फंड का पूरा व्यय, एक हजार फास्ट-ट्रैक कोर्ट। साइबर क्राइम सेल हर जिले में। पीएम-विश्वकर्मा, आत्मनिर्भर चार दशा से पंद्रह करोड़ नौकरियाँ। कौशल भारत को विस्तार। 'संविधान यात्रा' से सांप्रदायिक सद्भाव—स्कूलों में एकता पाठ्यक्रम अनिवार्य। चुनाव सुधार विधेयक—आपराधिक उम्मीदवार आजीवन प्रतिबंधित, राज्य फंडिंग पारदर्शी। राजनीतिक दलों को ऑडिट। ई-कोर्ट तीन दशा, पचास हजार नए जज। अधिकतम न्याय समय सीमा। पुलिस सुधार—सीसीटीवी थानों में अनिवार्य। क्षेत्रीय असंतुलन पर नीति आयोग दो दशा, दक्षिणी राज्यों को विशेष पैकेज। राष्ट्र निर्माण इंटर्नशिप—प्रत्येक युवा को एक वर्ष सेवा। पंचायती राज सशक्तिकरण—सत्तर तिहाई संशोधन को राष्ट्रीय महिला आरक्षण। विद्युत वाहन तीस प्रतिशत लक्ष्य, नमामि गंगे दो दशा को गति। नक्सल क्षेत्रों में विकास पैकेज। गणतंत्र दिवस पर मात्र परेड-झंडारोहण पर्याप्त नहीं। समस्याओं को स्वीकारना होगा। औपचारिक लोकतंत्र बचाया, अब वास्तविक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करें। युवा शक्ति आगे आए, भारत को विश्व गुरु बनाएँ। विविधता शक्ति बने। डॉक्टर अम्बेडकर का संविधान जीवंत हो, काँटों भरी झाड़ियों से निकले। अन्यथा गणतंत्र मात्र दिखावा बन जाएगा।

हम भारत के लोग₹ संविधान की प्रस्तावना आदर्श वाक्यांश

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

गणतंत्र दिवस भारत देश के राष्ट्रीय महत्व का पर्व है। इस पर्व को भारत की पूर्ण आजादी का पर्व माना जाता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है, की इस दिन भारत ने अपना संविधान लागू किया था। भारत का लिखित संविधान जिसे भारत की जनता ने अंगिकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया था। भारत के संविधान की प्रस्तावना का पहला वाक्यांश ₹हम भारत के लोग₹ भारत के संविधान की शक्ति और संप्रभुता का स्त्रोत यदि कोई है तो वह है, भारत के नागरिक है। नागरिक समाज ही भारत का असली निर्माणकर्ता है। संविधान में वर्णित ₹हम भारत के लोग₹ भारत के करोडो नागरिको का सामूहिक चेतना है। भारत के संविधान की प्रस्तावना का यूँ तो एक-एक वाक्य अथाह और गहरे अर्थ लिए हुए है। भारत राष्ट्र के संविधान की प्रस्तावना को अनेको विद्वानों ने संविधान की कुंजी या सार, राजनैतिक कुंडली एवं परिचय-पत्र भी बताया है। विद्वान के एम मुंशी ने प्रस्तावना को भारतीय संविधान की राजनैतिक कुंडली बताया, पंडित ठाकुर दास भार्गव ने संविधान की आत्मा तो ब्रिटिश राजनितिक वैज्ञानिक सर अर्नेस्ट बार्कर ने प्रस्तावना को संविधान के मूल सिद्धांतो और दर्शन का निचोड़ माना है।

कुल मिलाकर भारतीय राष्ट्र के संविधान का आरम्भ जिस प्रस्तावना से होता है। उस प्रस्तावना का शब्द-शब्द गौरव की अनुभूति कराता है। भारतीय संविधान में उल्लेखित प्रस्तावना के यह सुंदर शब्द देखिये हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को - सामाजिक, आर्थिक, और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 को एतत द्वारा इस संविधान को अंगिकृत, अधिनियमित, और आत्मार्पित करते है।

दरअसल प्रस्तावना में उल्लेखित पदावली हम भारत के लोग ही भारत की असली ताकत है। भारत के नागरिक ही भारत के असली निमार्ता है। जनता ही संविधान का स्त्रोत है। भारतीय जनता ने ही अपनी संप्रभु इच्छा को इस संविधान के माध्यम से व्यक्त किया है। भारत की जनता की सामूहिक चेतना ने ही अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने और स्वतंत्रता प्राप्ति में अहम भूमिका निभाई है।

अब जबकि भारत एक गणराज्य के रुप में अपना 77वा गणतंत्र दिवस बना रहा हो, तब यह सोचना लाजमी है की प्रस्तावना का मुख्य स्त्रोत भारत का नागरिक कहाँ खड़ा है। जमीन पर काम कर रहा सिस्टम नागरिक समाज के अधिकारों की रक्षा करने में कितना कारगर साबित हुआ है?

देश का आमआदमी ही वह लक्ष्य है, जिसकी बेहतरी और खुशहाली के लिए देश की संसद, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका कार्यरत है, किंतु देखा जाता है की संविधान में बेहद ताकतवर और मजबूत दिखाई देने वाला यह आमनागरिक व्यवस्थाजनित दोषों के कारण उन बुनियादी सुविधाओं से वँचित है जिसका उसे संविधानिक अधिकार प्राप्त है। हम देखते है की सरकार और उसके नुमाइंदे जिनका काम नागरिक सुरक्षा के कामो को अंजाम देना होता है निजी हितो के कारण कुछ खास लोगो के हाथ की कठपुतली बन जाते है। भारत देश के प्रत्येक नागरिक को पानी, बिजली, आवास, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन तंत्र का दायित्व है, किंतु व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्ट्राचार ने आम आदमी के हक की सुविधाओं पर डाका ड़ालते हुए इसे दूर और देरी का कारण बना दिया है। आमआदमी को पेयजल की उपलब्धता के लिए केंद्र सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल योजना को 2024 तक अंजाम तक पहुंचना बता रही है, किंतु इस योजना की सच्चाई का दृश्य बड़वानी जिले के ग्रामीण अंचलो में देखने पर ज्ञात होता है की कहीं टंकी अब तक नही बनी, कहीं टंकी निर्माण में अनियमितता साफ दिखाई देती है तो अनेकों ग्राम में पाइप लाइन डालने में कोताही बरती जा रही है। नल से शुद्ध जल प्रदाय की यह व्यवस्था कागजी अधिक दिखाई देती है। जब इंदौर जैसे शहर के भागीरथपूरा इलाके में जहां जहरीला पानी पिने से 25 नागरिक दम तोड़ देते हो, जिम्मेदार नगरीय प्रशासन मंत्री इसे फोकट का सवाल और घंटा जैसे शब्दों के इस्तेमाल से अपने दायित्व से बचना चाह रहे हो, तब नागरिक समाज के लिए कार्यरत सिस्टम और जन प्रतिनिधी दोनों लापरवाह और गैर जिम्मेदार नजर आते है। सरकारी शिक्षा और प्रायवेट शिक्षा ने समाज को दो भागों में विभाजित कर दिया है। सरकारी और प्रायवेट शिक्षा का यह अंतर नागरिक समाज की बैचैनी का कारण है। यहीं हाल नागरिक चिकित्सा का दिखाई देता है। बड़े शहरों में महंगे अस्पतालो में आमजन की पहुंच ही नही है। आमजन गाँव या तहसील मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भरोसे है जहां डॉक्टर और सुविधा दोनों कम है। आयुष्मान भारत योजना के तहत जरूर गरीब वर्ग को 5 लाख रु तक के इलाज की सुविधा दी गयी है। इस योजना में सभी वर्गों को शामिल किया जाना चाहिए। इसके ईमानदार क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। आवास से वँचित लोगो के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकानों का निर्माण हुआ है किंतु अभी बहुत कुछ करना बाकी है इस योजना को जमीन पर सरलता से उतारे जाने की आवश्यकता है। ग्रामीण भारत में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत बन रही सड़को में जारी अनियमितता इस महत्वपूर्ण योजना के उद्देश्य और लक्ष्य को कमजोर कर रही है। उजाला हर भारत वासी के घर तक पहुंचना चाहिए किंतु इसकी रफ्तार धीमी है। शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा गाँवो में परिवहन के साधनों का अभाव है। परिवहन विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित यात्री बसों एवं वाहनो के संचालन में अनदेखी करता है। बिना बीमा, परमिट के संचालित वाहन बेखौप संचालित होते है जो ग्रामीण नागरिकों की जान पर खेल कर वाहन चलाते है।

कुल मिलाकर शहर की तुलना में ग्रामीण समाज शासन की सुविधाओं से वँचित है। भारत अभी भी गाँव में बसता है। भारत को मजबूत करने के लिए गाँव को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरुरी है। देश उसमे बसने वाले नागरिकों से ही मजबूत होता है। भारत की संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित ₹हम भारत के लोग₹ का मूल पात्र भारत का आम नागरिक है। यह हकीकत है किसी भी राष्ट्र की मजबूती का पैमाना उस राष्ट्र का आमनागरिक ही है। सुशिक्षित नागरिक, जागरूक समाज और मजबूत देश के निर्माण में सहायक है। जब हम भारत को दुनियाँ में महाशक्ति के रुप में देखना चाहते है तो इसके लिए आम नागरिक का मजबूत और जागरूक होना बेहद जरुरी है। आचार्य चाणक्य के अनुसार राष्ट्र की रक्षा केवल सेना नहीं, बल्कि नागरिकों का साहस, विवेक और अनुशासन करता है।

जीना हराम करती फोन कॉल मार्केटिंग

– डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल फोन कभी सुविधा, सुरक्षा और संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता था। इसने दूरी को कम किया, आपात स्थितियों में जीवन बचाया और संवाद को सहज बनाया। लेकिन समय के साथ यही मोबाइल फोन लाखों लोगों के लिए तनाव, झुंझलाहट और मानसिक अशांति का कारण बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बेलगाम फोन कॉल मार्केटिंग, जिसने आम आदमी का जीना हराम कर दिया है।

दिन की शुरूआत अक्सर किसी अनजान नंबर की कॉल से होती है। नींद खुलते ही फोन की घंटी बजती है और सामने से कोई लोन ऑफर कर रहा होता है, कोई बीमा पॉलिसी, कोई क्रेडिट कार्ड या फिर निवेश का कोई सीमित समय वाला प्रस्ताव। दफ्तर की मीटिंग हो, ऑनलाइन क्लास चल रही हो या घर में कोई जरूरी बातचीत—फोन कॉल मार्केटिंग को न समय की समझ है, न परिस्थिति की। पूछने पर वही रटा-रटाया जवाब मिलता है—सर/मैडम, बस दो मिनट। लेकिन यही दो मिनट कब दिन के कई हिस्से निगल जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कॉल करने वालों के पास हमारा मोबाइल नंबर आता कहाँ से है। हमने न तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से नंबर दिया, न ही किसी सेवा के लिए स्पष्ट अनुमति दी, फिर भी वे पूरे आत्मविश्वास के साथ बात करते हैं। कई बार तो वे हमारा नाम, पेशा और जरूरतें तक जानते हैं। यह स्थिति केवल कॉल मार्केटिंग की समस्या नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और निजता के खुले उल्लंघन का संकेत है। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल नंबर केवल संपर्क का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापारिक वस्तु बन चुका है।

सरकार और नियामक संस्थाओं ने नियम बनाए हैं, डू नॉट डिस्टर्ब जैसी सेवाएँ शुरू की गई हैं, लेकिन व्यवहार में इनका असर बेहद सीमित दिखाई देता है। DND में नंबर दर्ज होने के बावजूद कॉल्स आती रहती हैं। शिकायत करने पर प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी होती है कि आम व्यक्ति हताश होकर चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। यही हताशा इस समस्या को और बढ़ावा देती है।

फोन कॉल मार्केटिंग का असर केवल समय की बबार्दी तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे मानसिक तनाव और चिड़चिड़ेपन को जन्म देती है। हर अनजान नंबर को देखकर मन में आशंका पैदा होती है—कहीं फिर कोई फालतू कॉल तो नहीं। जरूरी कॉल छूट जाने का डर अलग से बना रहता है। यह असमंजस व्यक्ति की मानसिक शांति को गहराई से प्रभावित करता है। कई लोग तो लगातार आने वाली कॉल्स से इतने परेशान हो जाते हैं कि मोबाइल फोन से ही चिढ़ होने लगती है। बुजुर्गों और कम तकनीकी समझ रखने वाले लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। वे अक्सर इन कॉल्स में उलझ जाते हैं और कई बार ठगी का शिकार हो जाते हैं। निवेश, इनाम, केवाईसी अपडेट या बैंक खाते से जुड़े झूठे बहानों के जरिए लाखों रुपये की ठगी की घटनाएँ सामने आती रहती हैं। कॉल मार्केटिंग और फ्रॉड कॉल्स के बीच की सीमा अब इतनी धुंधली हो चुकी है कि आम व्यक्ति के लिए फर्क करना कठिन हो गया है।

समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है, लेकिन कॉल मार्केटिंग इस संपत्ति का खुला अपमान करती है। सुबह जल्दी या रात देर तक आने वाली कॉल्स इस बात का प्रमाण हैं कि नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। कामकाजी लोगों के लिए यह समस्या और भी विकट है। मीटिंग के बीच बजता फोन न केवल ध्यान भंग करता है, बल्कि पेशेवर छवि को भी नुकसान पहुँचाता है। फोन साइलेंट पर रखने से जरूरी कॉल्स छूटने का खतरा बना रहता है, और न रखने पर अनचाही कॉल्स की झंझट।

यहाँ यह समझना भी जरूरी है कि कॉल करने वाला व्यक्ति हर बार दोषी नहीं होता। टेलीमार्केटिंग कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारी अक्सर भारी दबाव में होते हैं। उन्हें प्रतिदिन तय संख्या में कॉल करनी होती हैं, लक्ष्य पूरा न होने पर नौकरी जाने का डर बना रहता है। कम वेतन और अस्थिर भविष्य उन्हें इस काम से बँधे रहने को मजबूर करता है। वे एक तय स्क्रिप्ट के अनुसार बात करते हैं, चाहे सामने वाला कितना ही नाराज क्यों न हो।

लेकिन इन कर्मचारियों की मजबूरी के पीछे असली जिम्मेदारी उस व्यवस्था की है, जो मुनाफे के लिए इंसान की निजता, समय और मानसिक शांति को कुचल देती है। कंपनियाँ जानती हैं कि सौ में से यदि एक व्यक्ति भी उनके जाल में फँस जाए, तो उनका उद्देश्य पूरा हो जाता है। यही कारण है कि कॉल मार्केटिंग एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है, जहाँ नैतिकता और संवेदनशीलता की कोई खास जगह नहीं।

भारत जैसे देश में टेलीमार्केटिंग को नियंत्रित करने के लिए नियम-कानून मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भारी कमी है। जुमार्ने और प्रतिबंधों की बातें तो होती हैं, पर जमीनी स्तर पर बदलाव कम ही दिखता है। कई कॉल्स इंटरनेट कॉलिंग या विदेशी नंबरों से आती हैं, जिन पर स्थानीय नियमों का असर नहीं पड़ता। तकनीक का यह दुरुपयोग समस्या को और जटिल बना देता है।

इस समस्या का असर सामाजिक रिश्तों पर भी पड़ रहा है। बार-बार परेशान होने वाला व्यक्ति स्वभाव से चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसका प्रभाव परिवार और कार्यस्थल दोनों पर दिखता है। बच्चों के साथ समय बिताते हुए या बुजुर्गों से बात करते समय अचानक बजता फोन माहौल को खराब कर देता है। धीरे-धीरे लोग अनजान कॉल्स उठाना ही बंद कर देते हैं, जिसके कारण कभी-कभी जरूरी और आपात कॉल्स भी मिस हो जाती हैं। डिजिटल युग ने हमें अभिव्यक्ति की आजादी और सुविधाओं की भरमार दी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी और नियंत्रण भी उतने ही जरूरी हैं। जब तकनीक जीवन को आसान बनाने के बजाय तनावपूर्ण बना दे, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। बिना पढ़े ऐप्स को अनुमति देना, हर वेबसाइट पर मोबाइल नंबर साझा करना और गोपनीयता की शर्तों को नजरअंदाज करना—ये सब आदतें मिलकर कॉल मार्केटिंग की समस्या को बढ़ावा देती हैं। समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना अब अनिवार्य हो गया है। व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी और इसके उल्लंघन पर सख्त सजा सुनिश्चित करनी होगी। उ्ळऊ जैसी प्रणालियों को वास्तविक अर्थों में प्रभावी बनाना होगा, ताकि उपभोक्ता को राहत मिल सके। बार-बार नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, केवल चेतावनी नहीं।

साथ ही, उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा। अनावश्यक ऐप्स को अनुमति न देना, संदिग्ध कॉल्स से सावधान रहना और ठगी की घटनाओं की शिकायत दर्ज कराना—ये छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। जागरूक उपभोक्ता ही इस व्यवस्था को जवाबदेह बना सकता है।

अंततः यह समझना होगा कि फोन कॉल मार्केटिंग केवल एक व्यावसायिक गतिविधि नहीं रही, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। यह हमारी निजता पर हमला करती है, समय की बबार्दी करती है और मानसिक शांति छीन लेती है। तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल, सुरक्षित और बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि उसे हराम करना। जब तक व्यवस्था, कंपनियाँ और उपभोक्ता—तीनों मिलकर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक यह समस्या यूँ ही आम आदमी का जीना हराम करती रहेगी।

कुम्भ की धरती पर कालनेमी का षड्यंत्र

-सुरेश गांधी

प्रयागराज का कुम्भ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है। यह भारत की सभ्यतागत स्मृति, सनातन चेतना और सांस्कृतिक राष्ट्रबोध का सबसे विराट सार्वजनिक उत्सव है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर लगने वाला यह महापर्व सत्ता के प्रदर्शन का नहीं, बल्कि साधना, संयम, त्याग और आत्मशुद्धि का प्रतीक रहा है। यही कारण है कि कुम्भ की धरती पर घटने वाली प्रत्येक घटना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और वैचारिक महत्व रखती है। वर्तमान कुम्भ में शंकराचार्य के नाम पर खड़ा किया गया विवाद इसी संदर्भ में गंभीर चिंता का विषय बनता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वयंभू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को कालनेमी कहे जाने के बाद यह मुद्दा केवल व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सनातन धर्म की आत्मा, उसकी परंपराओं और उसकी मयार्दा से जुड़े गहरे प्रश्नों को सामने ले आया है। कुम्भ की भूमि पर साधु का अर्थ सत्ता से टकराने वाला नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला होता है। लेकिन जब कोई साधु-वेशधारी व्यक्ति राजनीतिक भाषा बोलने लगे, प्रशासन से टकराव को आंदोलन का रूप दे और स्वयं को परंपरा से ऊपर स्थापित करने का प्रयास करे, तब प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

जब शब्द मयार्दा तोड़ें, तो सवाल सत्ता से भी बड़ा हो जाता है

सनातन परंपरा में संत का स्थान विचार, विवेक और वैराग्य का होता है—विषवमन का नहीं। ऐसे में अविमुक्तेश्वरानंद (अवन्मुक्तन्यूनंद) द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब-बाबर की औलाद कहना न केवल अनुचित, बल्कि नैतिक, वैचारिक और सांस्कृतिक पतन का संकेत है। यह बयान राजनीति से ज्यादा सभ्यता पर हमला है। औरंगजेब और बाबर भारतीय इतिहास में आक्रांताओं के रूप में दर्ज हैं—जिनकी पहचान मंदिर विध्वंस, धार्मिक दमन और सांस्कृतिक विनाश से जुड़ी है। ऐसे शासकों से किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि की तुलना करना, वह भी एक संत के मुख से, इतिहास का अपमान और लोकतांत्रिक चेतना का अवमूल्यन है। योगी आदित्यनाथ एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं, महंत हैं, गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी हैं। उनसे वैचारिक असहमति हो सकती है, नीतियों पर सवाल उठ सकते हैं—लेकिन वंश, औलाद और आक्रांताओं से जोड़ना तर्क नहीं, विषवमन है। यह भाषा वही है, जो सड़क से संसद तक समाज को बांटने का काम करती रही है। यह भी विचारणीय है कि क्या इस तरह के बयान सनातन की मयार्दा, संत परंपरा और शास्त्रों की शिक्षाओं के अनुरूप हैं? शंकराचार्य परंपरा संयम, संवाद और शास्त्रार्थ सिखाती है—शब्दों से आग लगाना नहीं। आज सवाल योगी का नहीं, विचार और आचरण की गिरती सीमा रेखा का है। अगर संत भी राजनीतिक कुंठा में इतिहास को हथियार बनाएंगे, तो समाज को दिशा कौन देगा?

कुम्भः साधना का पर्व, राजनीति का मंच नहीं

कुम्भ की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी मानी जाती है। यह आयोजन किसी सरकार, शासन या राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह सनातन समाज की सामूहिक चेतना और आत्मिक अनुशासन का परिणाम है। कुम्भ में साधु-संत सत्ता के निकट नहीं, बल्कि उससे ऊपर नैतिक पथप्रदर्शक की भूमिका में रहे हैं। इतिहास गवाह है कि कुम्भ में कभी शक्ति-प्रदर्शन, भीड़-राजनीति या मंचीय आक्रामकता का स्थान नहीं रहा। यहाँ आचार्य का सम्मान उसके तप, त्याग और मौन से होता है। यही कारण है कि कुम्भ में अनुशासन केवल प्रशासनिक नियम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मयार्दा का हिस्सा है।

प्रयागराज का कुम्भ आस्था का महासंगम है, लेकिन इस बार उसी पवित्र भूमि को सनातन-विरोधी राजनीति का अखाड़ा बनाने की कोशिश हुई। शंकराचार्य पद की मयार्दा को ताक पर रखकर स्वयंभू दावे, प्रशासन से टकराव और राजनीतिक बयानबाजी ने कुम्भ की गरिमा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ऐसे आचरण को कालनेमी कहना केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि सनातन समाज के लिए वैचारिक चेतावनी है। शंकराचार्य का पद साधना, शास्त्र और संयम की पराकाष्ठा का प्रतीक है—न कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीति का मंच। ज्योतिर्मठ को लेकर न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद स्वयं को निर्विवाद शंकराचार्य बताकर सार्वजनिक टकराव खड़ा करना परंपरा का अपमान है। मौनी अमावस्या जैसे संवेदनशील दिन पर नियमों की अवहेलना और विशेष प्रोटोकॉल की मांग ने स्पष्ट कर दिया कि मामला श्रद्धा का नहीं, प्रभाव जमाने का था। इस विवाद में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की त्वरित एंट्री ने संदेह को और गहरा किया। वही दल, जिन्होंने वर्षों तक सनातन प्रतीकों को हेय दृष्टि से देखा, आज धार्मिक अपमान की आड़ लेकर सरकार पर हमला कर रहे हैं। यह सनातन प्रेम नहीं, बल्कि पुरानी राजनीति का नया संस्करण है। कुम्भ सत्ता का नहीं, साधना का पर्व है।

शंकराचार्य परंपरा : 1200 वर्षों की तपस्वी विरासत

आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार आम्नाय पीठ—ज्योतिर्मठ, शारदा पीठ, श्रृंगेरी और गोवर्धन पीठ—सनातन धर्म की बौद्धिक और आध्यात्मिक रीढ़ हैं। शंकराचार्य का पद कोई सामाजिक पद नहीं, बल्कि ब्रह्मचर्य, शास्त्र, त्याग और संयम की पराकाष्ठा है। इतिहास में शंकराचार्य सत्ता के नैतिक आलोचक रहे हैं, लेकिन कभी सत्ता-संघर्ष के खिलाड़ी नहीं बने। उन्होंने मौन, तर्क और शास्त्रार्थ के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन किया। यही कारण है कि शंकराचार्य पद के साथ मयार्दा, गंभीरता और संयम अनिवार्य रूप से जुड़ा रहा है।

ज्योतिर्मठ विवादः उत्तराधिकार या अराजकता

ज्योतिर्मठ की गद्दी को लेकर दशकों से न्यायालयों में विवाद लंबित है। अंतिम वैधानिक निर्णय के अभाव में किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वयं को पूर्ण शंकराचार्य घोषित करना न केवल विधिक रूप से संदिग्ध है, बल्कि परंपरागत दृष्टि से भी प्रश्नों के घेरे में है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा सार्वजनिक मंचों से राजनीतिक भाषा में वक्तव्य देना, प्रशासन से सीधा टकराव और समर्थकों के माध्यम से शक्ति-प्रदर्शन करना शंकराचार्य परंपरा के विपरीत प्रतीत होता है। यह व्यवहार पद की गरिमा को कमजोर करता है।

मौनी अमावस्या और प्रशासनिक टकराव

कुम्भ के सबसे संवेदनशील दिनों में मौनी अमावस्या प्रमुख है। इस दिन करोड़ों श्रद्धालु संगम स्नान के लिए पहुँचते हैं। ऐसे में प्रशासन द्वारा वीआईपी संस्कृति पर रोक लगाना सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य हो जाता है। अविमुक्तेश्वरानंद प्रकरण में प्रशासन ने अनुशासन और सुरक्षा का हवाला दिया, जबकि समर्थकों ने इसे धार्मिक अपमान का मुद्दा बना दिया। यहीं से यह विवाद धार्मिक से राजनीतिक बनने लगा।

राजनीतिक दलों की भूमिका : अवसरवाद का चेहरा

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा इस विवाद को सनातन बनाम सरकार की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत करना कोई नया प्रयोग नहीं है। यही वे दल हैं जिन्होंने अतीत में राम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, साधु-संतों को पिछड़ेपन का प्रतीक बताया और भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़े। आज वही दल स्वयंभू शंकराचार्य को ढाल बनाकर सरकार पर हमला कर रहे हैं। यह सनातन प्रेम नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति है।

कालनेमी का संदर्भ : अपमान नहीं, वैचारिक चेतावनी

रामायण का कालनेमी साधु का वेश धारण कर भ्रम फैलाने वाला असुर था। मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रतीक का प्रयोग किसी व्यक्ति के अपमान के लिए नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति के विरुद्ध चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए जो धर्म की आड़ में राजनीति करती है। योगी आदित्यनाथ स्वयं संन्यासी परंपरा से आते हैं। ऐसे में उनका यह कथन सनातन समाज को आत्ममंथन का संदेश देता है—कि हर भगवा वस्त्रधारी साधु नहीं होता।

कुम्भ रहेगा, कालनेमी बेनकाब होंगे

प्रयागराज कुम्भ किसी व्यक्ति या विवाद से कलंकित नहीं हो सकता। लेकिन यह विवाद चेतावनी देता है कि सनातन की रक्षा केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि भीतर छिपे कालनेमियों से भी करनी होगी। कुम्भ रहेगा—दिव्य, पवित्र और अखंड—यदि हम उसे राजनीति की प्रयोगशाला बनने से बचा सकें।

शंकराचार्य पद की परंपरा गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ी रही है। उत्तराधिकार केवल घोषणा से नहीं, बल्कि परंपरागत स्वीकृति, शास्त्रीय योग्यता और संस्थागत मान्यता से तय होता है। ज्योतिर्मठ प्रकरण में न्यायालय में मामला लंबित होना इस बात का प्रमाण है कि अंतिम निर्णय अभी शेष है। ऐसे में किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वयं को निर्विवाद शंकराचार्य घोषित करना परंपरा और कानून—दोनों के प्रति असंवेदनशीलता दशार्ता है। कुम्भ में अनुशासन क्यों जरूरी हैः आस्था बनाम अराजकता

कुम्भ में अनुशासन केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। वीआईपी संस्कृति, विशेष प्रोटोकॉल और शक्ति-प्रदर्शन ने अतीत में कई बार अव्यवस्था को जन्म दिया है। आस्था तब ही सुरक्षित रहती है, जब व्यवस्था मजबूत हो। कुम्भ की मयार्दा भी यही सिखाती है। प्रयागराज माघ मेला में 'शंकराचार्य विवाद' के बीच सीएम योगी ने गुरुवार ने धर्म, राष्ट्र और सनातन पर तीखा और स्पष्ट संदेश दिया. उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि आज के समय में धर्म की आड़ लेकर सनातन धर्म को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं. ऐसे लोगों से समाज को सतर्क रहने की जरूरत है. सीएम ने ऐसे तत्वों को 'कालनेमि' बताते हुए कहा कि ये लोग बाहर से धार्मिक दिखते हैं, लेकिन भीतर से धर्मविरोधी एजेंडे पर काम करते हैं. यूपी के सीएम ने स्पष्ट किया किएक संत के लिए धर्म और राष्ट्र ही सर्वोच्च संपत्ति और स्वाभिमान हैं. उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति धर्म के विरुद्ध आचरण करता है, वह सनातन परंपरा का प्रतिनिधि नहीं हो सकता.

राष्ट्रीय सेवा योजना नेतृत्व व व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षक संचालक, महाराष्ट्र राज्य पुणे तथा शिक्षण उपसंचालक, मुंबई विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) के विभागीय समन्वयक प्राध्यापक विनोद मोतीराम गवारे के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय आवासीय नेतृत्व गुण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रशिक्षणशिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर आरोग्य योग निसर्गोपचार केंद्र, जंबिलघर, बदलापुर (जिला ठाणे) में दिनांक 18 से 21 जनवरी 2026 के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर में स्वयंसेवक विद्यार्थियों के लिए योग-प्राणायाम, सामाजिक जागरूकता, नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण से जुड़े विविध उपक्रम आयोजित किये गये। शिविर का उद्घाटन बदलापुर की नगराध्यक्षा रुचिता घोरपड़े के शुभहस्ते संपन्न हुआ। उन्होंने राजनीति में महिलाओं की भूमिका विषय पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन किया। दिनांक 20 जनवरी 2026 को मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के विधायक किशन कथोरे ने युवा व राजनीति विषय पर स्वयंसेवकों को बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंबई विभागीय समन्वयक डॉ. विनोद गवारे ने की। विशेष व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम व समारोप समारोह में मान्यवरों का मार्गदर्शन शिविर के उद्देश्य की पूर्ति हेतु स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं शिक्षकों के लिए विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इनमें डॉ.मिनाक्षी सामंत (योग-प्राणायाम), प्रज्ञा अंबाडे (मूल्य शिक्षा),डॉ.भारती तोरणे (समय प्रबंधन),प्रा.एकनाथ पाटील (सामाजिक दायित्व),प्रा.जीवन विचारे (जीवन कौशल),माजी सैनिक सुबेदार श्रीकांत चव्हाण (वर्दी में नेतृत्व व समाज रक्षा),प्रा.जयश्री बैलवडे (लैंगिक समानता), प्रा.सुनील देवरे (शिवराय–आचरण का महत्व), प्राचार्य डॉ. हर्षला लिखाते (तनाव प्रबंधन),प्रा.विजय कोंडीलकर (भारतीय संविधान),प्रा.संदेश मोरे (वृद्धाश्रम और माता-पिता),प्राचार्य गणेश भगुरे (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020),बीएसएनएल महाप्रबंधक महेश कुमार (आईएस) (फाइबर व सैटेलाइट तकनीक)तथा डॉ.संजय रामराजे (नेतृत्व व व्यक्तित्व विकास)आदि विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया।शिक्षकों के लिए पी एफ एम एस प्रणाली पर रवि मोरे, संवाद कौशल पर डॉ. प्रतिभा विश्वास व जॉय विश्वास, तथा शिक्षा में ए आई के महत्व पर विशेष सत्र आयोजित किये गये। इसके साथ ही स्वच्छता, स्वास्थ्य, सामाजिक विषयों पर चर्चाएं, बौद्धिक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किये गये। शिविर के समापन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में कोकण शिक्षक मतदार संघ के आमदार ज्ञानेश्वर म्हात्रे उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रसेवा, नेतृत्व क्षमता, शिक्षा का महत्व, संघर्ष से सफलता, माता-पिता के संस्कार, सत्य की शक्ति जैसे विषयों पर प्रेरणादायी संदेश दिया। लेखा जोखा वाचन प्रा. एकनाथ पाटील, सूत्रसंचालन प्रा. संदेश मोरे तथा आभार प्रदर्शन प्रा. महेश कुलकर्णी ने किया। इसके पश्चात स्वयंसेवक विद्यार्थियों व कार्यक्रम अधिकारियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया मुंबई विभाग स्तरीय इस शिविर में 54 महाविद्यालयों के 101 स्वयंसेवक (51 युवक, 50 युवतियाँ) तथा 45 कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला समन्वयक सहभागी हुए। मुंबई विभाग के सभी एन एस एस कार्यक्रम अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से यह शिविर सफल रहा।

श्रीराम मंदिर बोईसर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रीराम मंदिर अयोध्याधाम स्थापना दिवस के पावन अवसर पर गुरुवार 22 जनवरी 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर स्थित इच्छापूर्ति श्री राम मंदिर में भक्ति व श्रद्धा से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दू जनजागृति संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि सिंह के मार्गदर्शन में संस्था के पुरुष एवं महिला पदाधिकारियों द्वारा सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर जय श्रीराम और हनुमान जी की जय के जयघोष से गूंज उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलन कर भगवान श्रीराम और श्रीहनुमान जी के चरणों में नमन किया तथा राष्ट्र, समाज और सनातन संस्कृति की उन्नति की कामना की। इस आयोजन में हिन्दू जनजागृति संस्था के पदाधिकारियों के साथ-साथ विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल,उद्योग जगत व मिडिया जगत से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित एवं सम्माननीय अतिथियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी अतिथियों ने श्रीराम मंदिर स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय संस्कृति और आस्था का ऐतिहासिक क्षण बताया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में तुलसीराम केवट द्वारा महाप्रसाद व भजन कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन एवं रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर शिवतेज मित्र मंडल, काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में महाप्रसाद वितरण एवं भजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 22 जनवरी 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर स्थित काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम जी के दर्शन-भजन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। पूरे क्षेत्र में जय श्रीराम के जयघोष से भक्तिमय माहौल बना रहा। भजन कार्यक्रम में भक्तिरस से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आयोजन को सफल बनाने में समाजसेवियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। इनमें प्रमुख रूप से उद्योजक गिरजेश सिंह, राजू यादव, राजीव रंजन सिंह, आनंद पंडवाल, सर्वेश सिंह, संजय मास्टर, धर्मेंद्र शाह, संतोष साहनी, पवन यादव, अर्जुन नीलगम, राजू पाठक, शिवाजी कदम, सुनील लांडे, अजय ठाकुर, राम सिंह, संजय बावरे, गणेश सिंह चौहान, जे.पी. चौहान, शंकर सैनी, राजू सिंह, सोनू जहांगीर सहित अनेक सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजक तुलसीराम केवट ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में आपसी सद्भाव, भक्ति एवं एकता को मजबूत बनाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की महाराष्ट्र इकाई द्वारा भव्य रक्तदान शिविर संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की महाराष्ट्र इकाई द्वारा वेस्टर्न एज प्रिमायसेस 2 के सहयोग से भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वेस्टर्न एज प्रिमायसेस 2, बोरीवली पूर्व के रिफ्यूजी हॉल में टाटा हॉस्पिटल के चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रिमायसेस के वाणिज्यिक संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 80 यूनिट रक्त संकलित कर कैंसर पीड़ित मरीजों के इलाज हेतु टाटा हॉस्पिटल के ब्लड बैंक को सुपुर्द किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र तथा उपहार प्रदान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के महाराष्ट्र अध्यक्ष सीए महेश चंद्र गुप्ता ने वैश्य समाज के सम्मान, हितों के साथ ही समय-समय पर किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर वेस्टर्न एज प्रिमायसेस 2 की चेयरपर्सन डॉ ममता जैन, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के महाराष्ट्र अध्यक्ष सीए महेश चंद्र गुप्ता, कार्याध्यक्ष विभास आर. खातू, महासचिव विजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर धानुका, रायगढ जिलाध्यक्ष कैलाश पोटे, ज्ञानचंद सोमानी, महेशचंद लोया, आनंद डंगायच, पंकज अग्रवाल समेत तमाम गणमान्य उपस्थित रहे। शिविर को सफल बनाने के लिए सीए महेश चंद्र गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं, गणमान्यों तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत भिवंडी मनपा द्वारा मरीजों को फूड बास्केट देकर इलाज में सहयोग की अपील

भिवंडी। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। शासन के निदेर्शानुसार टीबी उन्मूलन के लिए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, सहकारी व कॉरपोरेट संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस अभियान के तहत निक्षय मित्र योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पोषण सहायता (फूड बास्केट) उपलब्ध कराने की अपेक्षा है। फूड बास्केट पर प्रति मरीज प्रतिमाह लगभग 600 से 800 रुपये (इच्छानुसार) खर्च अपेक्षित है, जो इलाज की अवधि यानी लगभग 6 माह से 2 वर्ष तक दिया जा सकता है। फूड बास्केट स्वयं तैयार कर या किसी संस्था/व्यक्ति के माध्यम से भी मरीजों तक पहुंचाई जा सकती है। वर्तमान में भिवंडी शहर में लगभग 4114 टीबी मरीज हैं। छह माह की अवधि पूर्ण होने के बाद शासन के निक्षय पोर्टल के माध्यम से निक्षय मित्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इसके लिए निक्षय प्रणाली पर संबंधित व्यक्ति/संस्था का नाम, पता, ई-मेल, मोबाइल नंबर और कितने मरीज गोद लेने हैं, यह जानकारी दर्ज की जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला समन्वयक अनिल गुप्ता (मोबाइल: 7021507427) से संपर्क करने की अपील की गई है। भिवंडी मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.), वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डा. संदीप गाडेकर तथा शहर क्षयरोग अधिकारी डा. बुशरा सय्यद ने शहर के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, शासकीय व अर्धशासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों से सामाजिक दायित्व निभाते हुए निक्षय मित्र बनकर टीबी उन्मूलन में सहयोग करने का जाहीर आवाहन किया है।

अम्बे माता शक्ति धाम मंदिर वीरवाड़ी का धूमधाम के साथ मनाया गया पांचवां स्थापना दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जय माता दी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पालघर जिले की उमरोली ग्राम पंचायत अंतर्गत वीरवाडी गांव, जम्भुलपाड़ा रोड स्थित अम्बे माता शक्ति धाम मंदिर का पांचवां स्थापना दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम के साथ मनाया गया। यह आयोजन ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष महंत पंडित संतोष जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।

स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरूआत मंगलवार 20 जनवरी को प्रातः 7 बजे वेदी पूजन एवं नवचंडी पाठ महायज्ञ से हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं की उपस्थिति में अखंड रामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया गया। दूसरे दिन बुधवार 21 जनवरी को मानस पारायण, यज्ञ पारायण, विधिवत पूजन, हवन तथा विशाल माता जी भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। भंडारे का आयोजन रमेश मोहनलाल चौहान एवं गायत्री श्यामसुंदर शर्मा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

महंत पंडित संतोष जी महाराज के मार्गदर्शन में इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गायत्री शर्मा, विजय सिंह, हंसमणी राय, संदीप पाण्डेय, सुधीर ठाकुर, प्यारेलाल राय, योगेश सिंह, शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, ध्रुव पाण्डेय, अमर सिंह ठाकुर, श्यामसुंदर शर्मा, निशांत भारद्वाज, रमेश चौहान, अरविंद शर्मा, प्रेमशंकर तिवारी, पं. हनुमान तिवारी, प्रेमचन्द राजभर, अच्छेलाल राजभर, उमेश शर्मा, मंजू शर्मा, संतोष पाण्डेय, बंशराज यादव, यर्श राय, पंकज तिवारी, विनोद राय, अरुण शर्मा, सरजू पटवा, नंदकुमार राऊत, सुभाष शर्मा, अनिल सिंह, आकाश चौहान, तीरथ पाल, अशोक सिंह, पवन पाण्डेय, उदयराज चौबे, भरत ठाकुर, जयकुमार पटवा, देवेंद्र राय, पूनम शर्मा, सुरेश द्विवेदी, विवेक झा, रविकांत कनौजिया सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं मीडियाकर्मियों का विशेष योगदान रहा। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर जय माता दी के जयघोष से गूंजता रहा और वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा।

हिंदी हाई स्कूल में बसंत पंचमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित हिंदी हाई स्कूल, घाटकोपर (पश्चिम), में बसंत पंचमी का पावन पर्व अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। यह त्योहार विद्या, बुद्धि, कला और संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को समर्पित है। इस अवसर पर स्कूल परिसर में विशेष साज-सज्जा, पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना से हुई। हिंदी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य, राजेन्द्र कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्य, अभय प्रताप सिंह, शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने मिलकर पीत वसना मां सरस्वती को पुष्प, फल, मिष्ठान्न एवं पीले फूलों का भोग लगाया। पूजा के दौरान वैदिक मंत्रों का उच्चारण एवं सरस्वती वंदना का सामूहिक गायन हुआ, जिससे पूरा परिसर भक्ति भाव से ओतप्रोत हो उठा। समिति के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा, बसंत पंचमी न केवल वसंत ऋतु का आगमन है, बल्कि यह ज्ञान प्राप्ति एवं नई शुरूआत का प्रतीक भी है। हमारे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने वाला है। प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह ने सभी शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया ,जिन्होंने इस महोत्सव को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के साथ सभी को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

भिवंडी मनपा में 'भिवंडी सेकुलर फ्रंट' का महापौर तय, ऐतिहासिक बहुमत के साथ मजबूत दावा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव में सेकुलर ताकतों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए महापौर पद पर अपना दावा लगभग तय कर लिया है। 15 जनवरी को हुए चुनाव के बाद 16 जनवरी को घोषित नतीजों में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। तीनों दलों के शीर्ष नेतृत्व ने मिलकर ह्यभिवंडी सेकुलर फ्रंटह्व का गठन किया है और महापौर पद के लिए साझा उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है। चुनाव परिणामों के अनुसार कांग्रेस के 30 नगरसेवक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के 12 नगरसेवक, समाजवादी पार्टी के 6 नगरसेवक चुनकर महानगरपालिका सदन में पहुंचे हैं। 90 सदस्यीय मनपा में महापौर बनाने के लिए जहां 46 नगरसेवकों का समर्थन आवश्यक है, वहीं सेकुलर फ्रंट के पास कुल 48 नगरसेवकों का मजबूत बहुमत है। ऐसे में यह लगभग तय माना जा रहा है कि भिवंडी का अगला महापौर भिवंडी सेकुलर फ्रंट से ही चुना जाएगा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने पहले ही सपा विधायक रईस शेख को लिखित पत्र देकर खुले समर्थन की घोषणा कर दी थी। इसके बाद कांग्रेस, राकांपा और सपा के शीर्ष नेताओं ने औपचारिक रूप से सेकुलर फ्रंट का गठन कर महापौर पद पर साझा उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया। इसी क्रम में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें फ्रंट के संयोजक विधायक रईस शेख, फ्रंट के अध्यक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट रसीद ताहिर मोमिन, सह संयोजक राकांपा अध्यक्ष शोएब खान (गुड्डु), सपा समन्वय समिति अध्यक्ष अजय यादव, मुंबई प्रदेश महासचिव कुबेर मौर्या, फारूक घोषी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से महापौर चुनाव को लेकर रणनीति तय की गई। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सेकुलर फ्रंट की यह एकजुटता न केवल महापौर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगी, बल्कि आने वाले समय में भिवंडी की राजनीति की दिशा भी तय करेगी। उक्त जानकारी सपा प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव के द्वारा प्राप्त हुई है।

अंतरमहाविद्यालयीन फैशन शो में बी.एन.एन. कालेज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हासिल किया प्रथम स्थान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बी.एन.एन. कालेज के मास मीडिया विभाग के छात्रों ने स्वयंसिद्धी कालेज की ओर से आयोजित अंतरमहाविद्यालयीन फैशन शो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार पर कब्जा जमाया है। प्रतियोगिता में मास मीडिया विभाग की छात्रा शीतल विश्वकर्मा, दिव्या मेहता, गीतांजलि तरे, भावना डिकोंडा, राजलक्ष्मी कमुनी तथा छात्र राज बसुदे, सुयेश शिंदे, अफान मोमिन, मनोज राखीत और हर्षल नाकोड ने भाग लिया। छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए कालेज का नाम रोशन किया। इस उल्लेखनीय सफलता पर संस्था अध्यक्ष डा. विजय जाधव, कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले, कॉलेज के प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालुंकर, उपप्राचार्य डा. सुधीर निकम, डा. सुरेश भदरगे, डा. निनाद जाधव, डा. कुलदीप राठौड, रजिस्ट्रार नरेश शिरसाले सहित प्रा. अंकुश चव्हाण, प्रा. गणेश पानझाड़े, प्रा. शिवम भानुशाली, प्रा. प्रियंका जाधव आदि ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस जीत से एक बार फिर बी.एन.एन. कालेज के मास मीडिया विभाग की गुणवत्ता और छात्रों की कलात्मक प्रतिभा का प्रमाण मिला है।

केसीएन क्लब द्वारा जनकल्याण संकल्प दिवस के रूप में मनाई गई संस्थापिका मीरा देवी की पुण्यतिथि

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी द्वारा वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर 145वीं काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केसीएन हाउस, जयश्री अपार्टमेंट, नवापुर रोड, बोईसर में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नेताजी सुभाषचंद्र बोस, ज्ञान की देवी माता सरस्वती एवं केसीएन क्लब की संस्थापिका माता मीरा देवी के छायाचित्र पर पुष्पहार अर्पित कर किया गया। माता मीरा देवी की पुण्यतिथि को इस अवसर पर जनकल्याण संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्झरिणी के कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार अमित शिवकुमार दुबे ने की, जबकि केसीएन क्लब के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ. कृपाशंकर मिश्र प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व सैनिक नायक कामता प्रसाद यादव, विहिप मंडल अध्यक्ष एस.पी. सिंह, समाजसेवी ओमप्रकाश राय एवं केसीएन क्लब के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मनोज नायक शामिल रहे। इस अवसर पर निर्झरिणी के प्रदेश अध्यक्ष पं. शेखर तिवारी के 70 वर्ष पूर्ण होने पर जन्मोत्सव मनाया गया। साथ ही डॉ. कृपाशंकर मिश्र के साहित्य पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम निर्धारित होने के शुभ अवसर पर एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब द्वारा प्रस्तावित साहित्य रत्न सम्मान 2024, संगठन की कार्यकारिणी के नियोजन तथा मासिक मेल-मिलाप बैठक पर भी सार्थक चर्चा की गई। कार्यक्रम में पूर्व बीएआरसी अधिकारी एवं निर्झरिणी के संरक्षक के. के. श्रीवास्तव, निर्झरिणी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पं. शेखर तिवारी, प्रभुनाथ चतुर्वेदी, निर्झरिणी मंडल अध्यक्ष बसंत चौहान, कवि वरुण मिश्र, अरविंद दुबे सहित अनेक साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। कवियों ने अपनी सशक्त रचनाओं से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन निर्झरिणी पालघर जिलाध्यक्ष कवि नवरत्न मिश्र अर्पित ने किया। अंत में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

क्षेत्र का चौमुखी विकास हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताः रमेश चंद्र मिश्र

विकास के मुद्दों को लेकर राज्य मंत्री से मिले विधायक रमेश चंद्र मिश्र

1.2 करोड़ से बनेंगी तीन सड़कें, मंडी समिति करायेगी निर्माण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के मुद्दों को लेकर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने शुक्रवार की शाम राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह से मुलाकात की। विधायक के प्रस्ताव

पर राज्य मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र के तीन नए मार्गो को मंडी समिति से स्वीकृति प्रदान की।

विधायक ने बताया कि ग्राम गजाधरपुर मुख्य नहर से गजहरमऊ ब्राह्मण बस्ती के लिए 42 लाख, इब्राहिमपुर पुल से शीतला प्रसाद इण्टर कालेज तक 25.22 लाख तथा पुरागम्भीर शाह में चंद्रबली सरोज के घर के सामने से माईनर की पटरी होते हुये वासुपुर सीमा तक मार्ग के लिए 34.82 लाख रुपए से मार्ग बनेंगे। श्री मिश्र ने बताया कि उक्त तीनों सड़कों के निर्माण में 1.2 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिनका निर्माण मंडी समिति करायेगी। मार्गो का निर्माण जल्द ही शुरू होगा। इससे क्षेत्र की जनता एवं आम राहगीरों को आवागमन में सुविधा एवं सहूलियत मिलेगी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र का चौमुखी विकास हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विकास के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार हर तबके के लोगों का सर्वांगीण विकास करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को क्षेत्र के धरातल पर उतार कर जनता की खुशहाली के लिए निरंतर प्रयासरत हूं। प्रस्ताव की स्वीकृति मिलने पर विधायक ने राज्य मंत्री के प्रति आभार जताया।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में धूमधाम से मनाया गया उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस तथा राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल प्रियंका सिंह ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज जौनपुर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके उपरांत एमबीबीएस एवं पैरामेडिकल छात्रों द्वारा नाटक, लोकगीत एवं संगीत की मनमोहक प्रस्तुतिया की गई। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के इतिहास, संस्कृति एवं विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित अधिकारियों, चिकित्सकों एवं छात्रों ने खूब सराहा।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक एवं समकालीन स्वरूप पर कहा कि पूर्व में उत्तर प्रदेश को विभिन्न नामों एवं पहचान से जाना जाता रहा है, किंतु समय के साथ प्रदेश ने शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति, उद्योग एवं प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश की छवि पूरे देश में एक सशक्त, विकासशील एवं आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं अधोसंरचना विकास में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल एवं सेवा भावना के माध्यम से प्रदेश की प्रगति में निरंतर योगदान दें तथा उत्तर प्रदेश के गौरव को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपनी भूमिका निभाए।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में राष्ट्रीय मतदान दिवस के अवसर से पूर्व छात्र-छात्राओं एवं चिकित्सकों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना तथा मताधिकार के महत्व के प्रति सभी को जागरूक करना रहा। उप प्रधानाचार्य प्रो० आशीष यादव ने एमबीबीएस एवं पैरामेडिकल छात्रों , चिकित्सकों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को मतदान के अधिकार, उसकी अनिवार्यता तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तथा सभी उपस्थितजनों को यह शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तथा समाज में भी अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर, प्रो० रूचिरा सेठी, प्रो० भारती यादव, प्रो० साधना अजय, डा० मुदित्त चौहान, डा० पूजा पाठक, डा० आदर्श यादव, डा० संजीव यादव, डा० अनुज सिंह, डा० नवीन सिंह, डा० अनिल कुमार, डा० पलास रत्ना, डा० स्तुति सिंह, डा० बृजेश कन्नौजिया, डा० प्रतिभा सिंह, डा० जयन्त शर्मा, डा० संदीप सिंह, डा० मतीन अहमद, डा० सैयद उस्मान, डा राहुल एवं अन्य चिकित्सक तथा छात्र-छात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

गणतंत्र दिवस परेड की ग्रैंड रिहर्सल सम्पन्न

पुलिस लाइन में दिखा अनुशासन और शौर्य का अद्भुत संगम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य और गरिमामय बनाने के उद्देश्य से

शनिवार को पुलिस लाइन जौनपुर के परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस परेड की ग्रैंड रिहर्सल सम्पन्न हुई। इस दौरान जनपद के विभिन्न थानों एवं इकाइयों से आए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे अनुशासन, उत्साह और एकरूपता के साथ परेड का अभ्यास किया। ग्रैंड रिहर्सल में पुलिस बल की ड्रिल, टर्नआउट और समन्वय देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुख्य समारोह को सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से सम्पन्न कराना रहा। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौश्तुंभ स्वयं परेड ग्राउंड में उपस्थित रहे और परेड का गहन निरीक्षण करते हुए सलामी ली। उन्होंने परेड की बारीकियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में सम्मिलित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की शपथ भी दिलाई गई।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर अनुशासन, एकता और समर्पण का उत्कृष्ट प्रदर्शन ही पुलिस बल की सशक्त पहचान है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे समारोह को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। ग्रैंड रिहर्सल कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दौरान पुलिस लाइन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास विक्षिप्त युवक का शव मिलने से हड़कंप, शिनाख्त में जुटी पुलिस

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के जगदीशपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप शनिवार सुबह एक विक्षिप्त युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास शव देखे जाने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। मृत युवक ने टी-शर्ट और फटी पैंट पहन रखी थी, वहीं उसके पास एक जैकेट भी मिली है। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था और बीते कई दिनों से हौज टोल प्लाजा से जगदीशपुर के बीच घूमते हुए देखा जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत ठंड लगने के कारण हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विद्यालय की पहचानः बृजेश जायसवाल

वेद मंत्रोच्चार संग होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनी बसंत पंचमी

नन्हे-मुन्नों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने मोहा मन, अभिभावकों ने की जमकर सराहना

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम छितौना स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में बसंत पंचमी का पावन पर्व पूरे श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। वेदों के मंत्रोच्चार के बीच हुए इस आयोजन ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए एक से बढ़कर एक नृत्य कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों और स्थानीय लोगों का मन मोह लिया। मासूम बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों को देखकर दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभिभावकों और ग्रामीणों ने विद्यालय के प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल की सराहना करते हुए कहा कि होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल न केवल शिक्षा बल्कि संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को भी बच्चों में मजबूती से रोपित कर रहा है। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल ने कहा कि विद्यालय में कड़े अनुशासन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना उनकी प्राथमिकता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जाता है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

लिफ्ट सिंचाई मण्डल वाराणसी में हुआ शपथ ग्रहण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वरुणपुरम सिंचाई कालोनी सिगरा में स्थित कार्यालय अधीक्षण अभियंता लिफ्ट सिंचाई मण्डल वाराणसी के कार्मिकों

द्वारा सोलहवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव, कनीज फातिमा, साधना श्रीवास्तव, रुचि श्रीवास्तव, मो0 आरिफ अंसारी, विनोद कुमार शुक्ल, रत्नेश प्रसाद, दीनानाथ, कुलदीप कुमार मौर्या, सुनील कुमार भारती व मूसा अंसारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जौनपुर को बड़ी उपलब्धि

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिलाधिकारी को मिला प्रशस्ति पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम

में जनपद जौनपुर को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जनपद के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद को यह प्रशस्ति प्रदान की गई।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के कुशल नेतृत्व में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को जनपद में नई गति मिली है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, ऋण स्वीकृति और उद्यम स्थापना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप जौनपुर प्रदेश में अग्रणी जिलों में शामिल हुआ। सम्मान प्राप्त करने के बाद जिलाधिकारी ने इसे पूरी टीम की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, लीड बैंक मैनेजर अभय श्रीवास्तव, सभी बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार, सहायक आयुक्त उद्योग जयप्रकाश, अभियान से जुड़े अन्य अधिकारियों, उद्यमियों तथा मीडिया बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में जनपद प्रशासन पूरी निष्ठा से कार्य करता रहेगा और भविष्य में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

रोहनिया विधायक ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर मनाया कपूरी ठाकुर की 102 वीं जयंती

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के निदेशांनुसार रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कनेरी मोहन सराय स्थित अपना दल एस पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने

जननायक कपूरी ठाकुर के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनका 102 वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। विधायक डॉक्टर सुनील पटेल जननायक कपूरी ठाकुर के जीवन के बारे में विस्तारपुर का वर्णन करते हुए कहा कि जननायक कपूरी ठाकुर जी का संपूर्ण जीवन सामाजिक दायित्वों को निर्वहन के लिए समर्पित था समाज के शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों का उत्थान हमेशा उनकी राजनीति के केंद्र में रहा है। अपनी सादगी और जन सेवा के प्रति समर्पण भाव को लेकर वे सदैव स्मरण एवं अनुकरणीय रहेंगे। इसअवसर पर राजेंद्र प्रसाद पटेल, डॉ.महेंद्र पटेल, दिव्यांशु पटेल दीपू, डॉ.वीरेंद्र वर्मा, राकेश यादव, डॉ.उमेश पटेल, सियाराम पटेल, रीना पटेल, अनीता पटेल, दीपक पटेल, राजकुमार वर्मा, श्याम बली पटेल, गोविंद पटेल, आदर्श पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में श्रद्धा के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा, भंडारे का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल कॉलेज जौनपुर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की पूजा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त चिकित्सकगण, संकाय सदस्य व कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से सरस्वती पूजा में भाग लिया। पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सरोबार रहा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि माँ सरस्वती ज्ञान, विवेक एवं संस्कार की प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन छात्रों में नैतिक मूल्यों, एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं।

उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी चिकित्सकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। पूरे कार्यक्रम का सफल आयोजन आपसी सहयोग एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिससे कॉलेज में सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण हुआ।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कलेक्ट्रेट में दिलाई गई मतदाता शपथ, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल एवं कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में मतदाता

शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मतदान सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई गई।

अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानन्द झा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उपस्थित सभी ने सामूहिक रूप से शपथ का वाचन करते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा बनाए रखने और किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार के प्रयोग का संकल्प लिया।

शपथ के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी लाल बहादुर, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, सह जिला विद्यालय निरीक्षक विवेक कुमार सिंह, शिवकुमार, महमूद अली, ई-मैनेजर प्रतीक उपाध्याय सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बक्शा ब्लॉक प्रमुख का निधन

दिल्ली में इलाज के दौरान तोड़ा दम, ब्लॉक कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख मनोज कुमार यादव (43) के असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दिल्ली में इलाज के दौरान शुक्रवार देर रात उनका निधन हो गया। शनिवार सुबह करीब पांच बजे उनका शव पैतृक आवास बेलापार नौपेड़वा पहुंचा, जहां परिजनों में कोहराम मच गया। दुखद खबर मिलते ही उनके

आवास पर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच गए और नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। क्षेत्र में शोक का माहौल रहा। ब्लॉक प्रमुख के निधन की सूचना पर बक्शा विकासखंड कार्यालय के समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विकासखंड परिसर में भी शनिवार को शव लाया गया, जहां कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी। शोक के कारण नौपेड़वा बाजार पूरी तरह बंद रहा। ब्लॉक प्रमुख के निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम की रील्स देखकर निवेश से बचे

फर्जी ट्रेडिंग एप्प से आपकी मेहनत की गाढ़ी कमाई लूट ले रहे है साइबर ठग

सेबी रजिस्टर्ड एप्प या वेबसाइट से ही करे ट्रेडिंग और निवेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया की दुनिया में हर रोज करोड़ो रील्स स्क्रॉल हो रही हैं। एक क्लिक में अमीर बनने का सपना दिखाती ये छोटी-छोटी वीडियो अब निवेशकों की जेब पर डाका डाल रही हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम की रील्स पर चमचमाती लग्जरी कारें, विदेशी छुट्टियां और रातोंरात करोड़पति बनने की कहानियां सुनाकर साइबर ठग युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक को ठग रहे हैं। सेबी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की चेतावनी के बावजूद, फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स के जरिए मेहनत की कमाई लूटने का सिलसिला थम नहीं रहा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह डिजिटल युग का नया 'पोंजी स्कीम' है, जहां भरोसा तोड़कर ठगी की जाती है ।ताजा आंकड़ों से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) की रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में निवेश धोखाधड़ी के मामलों में 45 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इनमें से 70 फीसदी शिकायतें फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब रील्स से जुड़ी हैं। एक सर्वे में पाया गया कि 18-35 आयु वर्ग के 62 फीसदी युवा इन रील्स को देखकर निवेश करते हैं, बिना यह जांचे कि ऐप सेबी रजिस्टर्ड है या नहीं।

जांच एजेंसियों के अनुसार, फर्जी रील्स में सेलिब्रिटी लुकअलाइक या 'सफल निवेशक' दिखाए जाते हैं। वे 'गारंटीड रिटर्न' का लालच देते हैं झ 30 दिन में 200 फीसदी मुनाफा! लिंक पर क्लिक करते ही अनजान ऐप डाउनलोड हो जाता है। शुरूआत में छोटे रिटर्न दिखाकर भरोसा जमाया जाता है, फिर बड़ी रकम मांगते हैं। जैसे ही पैसा ट्रांसफर होता है, अकाउंट ब्लॉक।

ये अधिकतर एप्प विदेशी सर्वर पर चलते हैं, भारतीय कानून से Zerodha, Groww या Upstox जैसे रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स पर ही ट्रेडिंग सुरक्षित है ।₹मामला सिर्फ व्यक्तिगत नुकसान तक नहीं। अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की रिपोर्ट कहती है कि 2023-24 में ऑनलाइन फ्रॉड से 1.2 लाख करोड़ रुपये की क्षति हुई, जिसमें निवेश स्कैम का हिस्सा 28 फीसदी है।

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने हाल ही में एक गैंग का भंडाफोड़ किया, जो हैदराबाद से ऑपरेट कर रहा था। 15 लोग गिरफ्तार हुए, जिन्होंने 500 से ज्यादा लोगों को ठगा। ठगों के पास फर्जी KYC, स्टॉक टिप्स और AI जनरेटेड वीडियो तक थे। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैंः निवेश से पहले सेबी की वेबसाइट (sebi.gov.in) पर ब्रोकर या ऐप की रजिस्ट्रेशन चेक करें। 'हाई रिटर्न, लो रिस्क' जैसी बातें झूठी हैं।

स्टॉक मार्केट में रिस्क है, लेकिन रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स पर पारदर्शिता होती है। फेसबुक, इंस्टाग्राम की रील्स को एंटरटेनमेंट समझें, निवेश गाइड नहीं। सरकार भी सक्रिय है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को फर्जी ऐड्स हटाने के निर्देश दिए। सेबी ने Investor Awareness कैंपेन चलाया, जहां बताया जा रहा कि असली निवेश धैर्य मांगता है, न कि रील्स की चमक। फिर भी, जागरूकता की कमी बड़ी समस्या है।

अंत में, सवाल यह है कि क्या हम अपनी मेहनत की कमाई को रील्स की भेंट चढ़ने देंगे। साइबर ठगों से बचने का मंत्र सरल है। सेबी रजिस्टर्ड ऐप्स या वेबसाइट्स NSE, BSE अफीलिएटेड ब्रोकर्स झ से ही ट्रेडिंग और निवेश करें। फेसबुक रील देखकर उतावले न हों। अगर शक हो, तो साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें। याद रखें, असली अमीरी ज्ञान और धैर्य से आती है, न कि फर्जी वादों से।

बैडमिंटन में प्रशांत-रविकर की जोड़ी अविजित

-सुरेश गांधी

वाराणसी. आनंद चंदोला खेल महोत्सव के तहत काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित 38वीं दीनानाथ गुप्त स्मृति मीडिया खेल प्रतियोगिता में रोमांच अपने चरम पर रहा। बैडमिंटन कोर्ट से लेकर कैरम बोर्ड और शतरंज की बिसात तक पत्रकार खिलाड़ियों ने जुझारूपन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन युगल वर्ग के फाइनल में प्रशांत मोहन और रविकर दूबे की जोड़ी ने दमदार खेल दिखाते हुए चंदन रूपानी और रोहित चतुर्वेदी की जोड़ी को सीधे सेटों में 11-8, 11-7 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान प्रशांत की तेज रिटर्न और रविकर के सटीक स्मैश निर्णायक साबित हुए। इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबलों में चंदन रूपानी-रोहित चतुर्वेदी की जोड़ी ने चंद्रप्रकाश-संदीप गुप्ता को 11-9, 11-6 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में प्रशांत मोहन-रविकर दूबे ने पंकज त्रिपाठी-विनय शंकर सिंह को 11-8, 11-7 से शिकस्त दी। मीडिया कैरम प्रतियोगिता के एकल फाइनल में संदीप गुप्ता ने सधे हुए और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए पंकज त्रिपाठी को 11-3, 11-5 से पराजित कर खिताब जीता। विश्वनाथ सिंह दद्दू स्मृति टेबल टेनिस एकल मुकाबले में चंदन रूपानी ने शानदार नियंत्रण और तेज रिटर्न के दम पर चंद्रप्रकाश को 11-7, 11-5 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले सेमीफाइनल में चंद्रप्रकाश ने प्रशांत मोहन को 23-21, जबकि चंदन रूपानी ने संदीप गुप्ता को 21-17 से हराया था। शतरंज प्रतियोगिता में रणनीति और धैर्य का शानदार संगम देखने को मिला। संतोष चौरसिया ने पांचों चक्रों में जीत दर्ज कर पांच अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। शंकर चतुर्वेदी चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। संदीप गुप्ता, चंदन रूपानी, पंकज त्रिपाठी और अरुण मालवीय ने तीन-तीन अंक (प्रोग्रेसिव स्कोर के आधार पर) अर्जित कर शीर्ष छह में स्थान बनाया। कैरम मुकाबले अंतरराष्ट्रीय रेफरी रमेश वर्मा की देखरेख में संपन्न हुए, जबकि अश्वनी चक्रवाल, संदीप यादव, जमुनाधर गुप्ता और शोएब रजा निर्णायक रहे। शतरंज में दिनेश दत्त पाठक और अशोक पांडेय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। खेल संयोजक कृष्ण बहादुर रावत ने सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों और निर्णायकों का आभार जताया।

हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से 6 लाख बाइक टैक्सी चालकों के आजीविका के अधिकार को मिली सुरक्षा

मुंबई/बेंगलुरु। कर्नाटक बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (BTA) माननीय उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय का हार्दिक स्वागत करता है, जिसने मोटर वाहन अधिनियम के तहत बाइक टैक्सी संचालन को लेकर लंबे समय से चली आ रही कानूनी अनिश्चितता को समाप्त कर दिया है। बीते कई वर्षों से कर्नाटक भर के बाइक टैक्सी चालक विभिन्न कानूनी व्याख्याओं और नियामकीय अस्पष्टताओं के बीच काम कर रहे थे, जिससे उन्हें निरंतर पेशेवर अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा था। यह निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त आजीविका के अधिकार को सशक्त पुष्टि है और यह सुनिश्चित करता है कि बाइक टैक्सी राज्य में रोजगार का एक मजबूत आधार बनी रहें। इस फैसले के माध्यम से उन 6 लाख से अधिक नागरिकों को महत्वपूर्ण राहत मिली है, जिनकी आजीविका इस क्षेत्र पर निर्भर है। न्यायालय ने युवाओं, प्राथमिक कमाने वालों और गिग इकॉनॉमी पर निर्भर परिवारों की आय के एक अहम स्रोत की रक्षा की है, जो सम्मानजनक, वैध और सतत रोजगार के रूप में बाइक टैक्सी सेवा से जुड़े हैं।

माननीय न्यायालय ने मोटर वाहन अधिनियम और उससे संबंधित नियमों के अंतर्गत बाइक टैक्सी संचालन को औपचारिक रूप से मान्यता दी है। विशेष रूप से, निर्णय में यह स्पष्ट किया गया है कि मोटरसाइकिलों को कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट देने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इससे वह प्रमुख नियामकीय बाधा दूर हो गई है, जो अब तक इस उद्योग के भविष्य पर संकट बनकर खड़ी थी। यह निर्णय यात्रियों, जिन्हें किफायती लास्ट- माइल कनेक्टिविटी मिलती है, और प्लेटफॉर्म ऑपरेटरों, जो एक स्थिर एवं विकासोन्मुख नियामकीय वातावरण की अपेक्षा रखते हैं—सभी हितधारकों के लिए लाभकारी है।

इस निर्णय का स्वागत करते हुए, बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आदि नारायण ने कहा, ‘यह ऐतिहासिक फैसला कर्नाटक के लाखों बाइक टैक्सी चालकों के लिए नई जिंदगी की तरह है। मोटरसाइकिल परमिट की वैधता को मान्यता देकर माननीय उच्च न्यायालय ने हमारे मेहनतकश समुदाय के श्रम की गरिमा को स्वीकार किया है। यह निर्णय हमारे युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाता है और अनगिनत परिवारों को कानूनी स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करता है। अब हमारे चालक पूरे विश्वास के साथ आगे बढ़ सकते हैं, यह जानते हुए कि कानून उनके साथ खड़ा है। राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोबिलिटी सेवा प्रदान करने वाले इस कार्यबल के लिए यह फैसला गर्व की भावना को पुनर्स्थापित करता है और यह पुष्टि करता है कि बाइक टैक्सी के माध्यम से आजीविका कमाना एक सम्मानित और वैध पेशा है। BTA सरकार और नियामक संस्थाओं के साथ रचनात्मक संवाद जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि संचालन सुरक्षित, नियमों के अनुरूप और जनहित में बना रहे। हम माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हैं और कर्नाटक के नागरिकों के लिए सहयोगात्मक शासन एवं सतत परिवहन समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

मोटोरोला ने मोटोरोला सिग्नेचर के साथ भारत में फ्लैगशिप सेगमेंट को अपग्रेड किया

गयाजी। मोटोरोला ने मोटोरोला सिग्नेचर को भारत में लॉन्च किया। यह अल्ट्रा-प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन बेहद लग्जरी है, और अपने सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है। इसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो बेजोड़ उत्कृष्टता चाहते हैं, सिग्नेचर फ्लैगशिप अनुभव को दुनिया के पहले कैमरा इनोवेशन, शानदार लग्जरी क्राफ्टमैनशिप, नेक्स्ट-जेनरेशन परफॉर्मेंस और क्यूरेटेड लाइफस्टाइल प्रिविलेज के साथ फिर से परिभाषित करता है। इस प्रीमियम इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए, मोटोरोला ने मोटो वाच भी लॉन्च की है, जो टाइमलेस वॉच डिजाइन में सेगमेंट-अग्रणी वेलनेस ट्रैकिंग देती है।

सुर ताल संगम के स्थापना दिवस के पर डा. जया श्रीवास्तव के नेतृत्व में भक्ति संगीत समारोह का आयोजन

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था सुर ताल संगम के स्थापना दिवस के अवसर पर मां चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। बताते कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पवन सिंह चौहान (सदस्य विधान परिषद) उपस्थित होकर संस्था द्वारा किये जा कार्यों से प्रभावित हुये और सुर ताल के कलाकारों व गीतकारों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दिये। संस्था की डायरेक्टर एवं दूरदर्शन-आकाशवाणी की ख्यातिप्राप्त कलाकार डा. जया श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गणेश वंदना से शुभारंभ हुआ। भजन संध्या में सीमा श्रीवास्तव, अनिता सिंह, माया टुन्नु, किरन सोनी, बाल गायिका आद्या सिंह, अविजित श्रीवास्तव, सुशील सिंह राठौर, आनंद कुमार एवं रमन श्रीवास्तव सहित कलाकारों ने भावपूर्ण प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डा. जया श्रीवास्तव की प्रस्तुतियों ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा वर्षों से कला, संस्कृति एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

जन प्रयास सेवा समिति ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

जौनपुर। जनपद जौनपुर के बंधवा बाजार में 'जन प्रयास सेवा समिति' के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हर्षोल्लास और सेवा भाव के साथ मनाई गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने भाग लिया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह 'अन्ना' उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि आज देश में नेताजी के विचारों का उस तरह से पालन नहीं हो रहा है, जैसा अपेक्षित था। उन्होंने कहा, ॅनेताजी का दृष्टिकोण केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि वे हर भारतीय को महान बनाना चाहते थे और उन्हें मन से स्वतंत्र करना चाहते थे। क्षेत्र के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि मछलीशहर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 5 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है, जो क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात होगा। समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह 'अन्ना' ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा, ॅनेताजी ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज हमें सीमा पर लड़ने का मौका भले न मिले, लेकिन समाज के शोषित और वंचित वर्ग की सेवा करके हम अपनी देशभक्ति निभा सकते हैं। जन प्रयास सेवा समिति द्वारा किया जा रहा सेवा कार्य ही नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर समिति द्वारा कड़ाके की ठंड को देखते हुए सैकड़ों महिलाओं को स्वेटर और टोपी वितरित की गई। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण पूर्व सैनिकों का सम्मान रहा, जिन्हें राष्ट्र सेवा के लिए नेताजी की तस्वीर और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक डॉ. रागिनी सोनकर का भी समिति द्वारा अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर डॉ. विकास पाल, सरस्वती पाल, बसंत लाल जैसवार, यज्ञनारायण गुप्ता, योगेन्द्र सिंह, राजेश यादव, जगन्नाथ यादव, हनुमंत पांडे और सत्य प्रकाश 'गुड्डू' नेता, पूर्णिमा गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

वरिष्ठ समाजसेवी कल्पनाथ शर्मा का सत्कार

मुंबई। वरिष्ठ समाजसेवी कल्पनाथ शर्मा का समाज गौरव संजय शर्मा के मार्गदर्शन में सत्कार करते हुए समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव, युवा बिग्रेड अध्यक्ष डॉ सचिन सिंह, शिक्षाविद् राकेश मिश्रा एवं सत्यम शर्मा सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

चिराना। कस्बे निकटवर्ती चिरानिया शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय बागोरिया की ढाणी में यातायात के नियमों एवं सड़क दुर्घटना से कैसे बचे इस विषय पर जानकारी परक एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया,जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।इस विषय पर सबसे अच्छा कल्पित सैनी ने लिखकर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर अंकित सैनी व तृतीय स्थान विनीता सैनी ने रहे।इस निबंध प्रतियोगिता के आयोजक रहे डॉ. राजेंद्र कुमावत द्वारा तीनों विद्यार्थियों को 26 जनवरी के शुभ अवसर पर प्रथम को सिल्वर मेडल व अन्य दो को ब्रोंज मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज में प्रतिभावान छात्रों का हुआ सम्मान

भारत विकास परिषद बलरामपुर एवं ग्रेडोरा संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज के सभागार में भारत विकास परिषद बलरामपुर एवं ग्रेडोरा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभावान छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला रहे। विशिष्ट अतिथियों में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.पी. पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश्वर तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी कुंवर सुमेरू सिंह तथा इरफान खान उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समाज को नई दिशा देता है। उन्होंने मेधावी छात्राओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। बताया गया कि जनपद के तुलसीपुर, गैसड़ी एवं पचपेड़वा विकास खंड के विद्यालयों में 18 जनवरी को पी.ई.टी. परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें कक्षा 11 एवं 12 के लगभग 700 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। परीक्षा में टॉप तीन स्थान प्राप्त करने वाले तथा 30वीं रैंक तक के विद्यार्थियों का चयन सम्मान हेतु किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष राजीव मिश्रा ने मुख्य अतिथि का सम्मान करते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा कि ॢशिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण और आत्मबोध का माध्यम है। ग्रेडोरा संस्था के संस्थापक फैसल खान ने कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करती रहेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार बंधुओं को भी सम्मानित किया गया।

26 जनवरी को कुश जनसेवा फाउंडेशन का फ्री हेल्थ कैम्प

-लाल शेखर सिंह

नालासोपारा (उत्तरशक्ति) 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर स्वास्थ्य की आजादी: निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन नालासोपारा (पूर्व) में किया जायेगा। कुश जनसेवा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा जनहित में यह निःशुल्क मेगा मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप होगा। यह शिविर 26 जनवरी 2026, सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, कुश जनसेवा फाउंडेशन के शाखा कार्यालय, जियो टावर के पास, श्री राम नगर, नालासोपारा पूर्व में आयोजित होगा।

यह स्वास्थ्य शिविर देव मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के प्रायोजन तथा आर्यन फार्मा, फिनचेक पैथोलॉजी, बीएम सुरक्षा बल एवं नितिन ग्राफिक्स के सह-प्रायोजन से संपन्न होगा। शिविर में आम नागरिकों के लिए ब्लड शुगर जाँच, कोलेस्ट्रॉल जाँच, ब्लड प्रेशर जाँच, ईसीजी परीक्षण, नेत्र परीक्षण एवं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत ई-श्रम कार्ड का निःशुल्क पंजीकरण भी किया जाएगा, जिससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

इस जनकल्याणकारी आयोजन में मुख्य सहयोगकर्ता दिनेश प्रताप सिंह (पत्रकार) का विशेष योगदान रहा। साथ ही संस्था के पदाधिकारियों संजय सिंह, डॉ. कमल चंद, सुशील दुबे, राकेश राय, मदन तिवारी, कमल सौरभ, मिथुन लाल कश्यप, चंद्रशेखर शर्मा एवं बलिराम यादव का अहम योगदान सराहनीय रहा।

कुश जनसेवा फाउंडेशन की संस्थापिका ने इस अवसर पर बताया कि संस्था द्वारा हर रविवार विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा, ताकि समाज का हर वर्ग स्वस्थ जीवन जी सके। कुश जनसेवा फाउंडेशन ट्रस्ट ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का लाभ उठाएँ और गणतंत्र दिवस को स्वास्थ्य जागरूकता दिवस के रूप में मनाएँ।

विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा उत्तर प्रदेश: कृपाशंकर सिंह

मुंबई। विकास, विरासत और विश्वास का संगम, देवी देवताओं की अवतरण भूमि, संस्कृति, परंपरा और सामर्थ्य की भूमि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। डबल इंजन सरकार के साथ यह राज्य विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भगवान राम और भगवान कृष्ण की जन्म भूमि है, जहां से पूरे विश्व को अध्यात्म और शांति का संदेश गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास की तरफ अग्रसित है। अपराध और अपराधियों का सफाया हो रहा है। प्रदेश में कानून का राज है। रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। लोग अमन चैन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही उत्तर प्रदेश पूरी तरह से आत्मनिर्भर प्रदेश बन जाएगा।

श्री रामलीला उत्सव समिति को नवभारत टाइम्स ने पारंपरिक रामलीला पुरस्कार से किया पुरस्कृत

आदेश मिश्र

मुंबई। दैनिक हिंदी अखबार नवभारत टाइम्स की ओर से आयोजित रामलीला स्पर्धा 2025 में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय प्रस्तुति के लिए श्री रामलीला उत्सव समिति को पारंपरिक रामलीला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सबसे बड़ा हिंदी समूह अखबार नवभारत टाइम्स के संपादक सुंदरचंद ठाकुर, उपसंपादक ललित वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ शैलेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार नवीन पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार विजय पांडेय के द्वारा प्रदान किया गया। गौरतलब है कि नवभारत टाइम्स द्वारा श्री रामलीला उत्सव समिति को पिछले वर्ष भी पुरस्कृत किया गया था। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल एवं संगठन मंत्री आदेश डी. मिश्र को सम्मान चिन्ह एवं स्मृति स्वरूप फोटो फ्रेम भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही मुंबई, ठाणे एवं भिवंडी क्षेत्र की विभिन्न रामलीला समितियों से जुड़े अन्य सदस्यों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने रामलीला की पारंपरिक संस्कृति, मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्श चरित्र, तथा रामलीला के माध्यम से समाज में अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। श्री रामलीला उत्सव समिति के समस्त पदाधिकारियों की तरफ से प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और आदेश मिश्र ने अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हुए इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए नवभारत टाइम्स के संपादक सहित प्रबंधन एवं आयोजन समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

बसंत पंचमी पर माटुंगा के हेम भवन में धार्मिक आयोजन, भूमि दुरुस्तीकरण हेतु विधिवत पूजा संपन्न

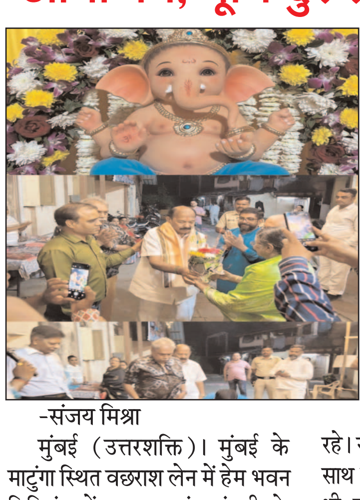

-संजय मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के माटुंगा स्थित वछराश लेन में हेम भवन बिल्डिंग में आज बसंत पंचमी के पावन अवसर पर धार्मिक एवं शुभ आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिल्डिंग की भूमि दुरुस्तीकरण एवं भावी विकास कार्यों के लिए विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में कार्यसम्राट आमदार कालीदास कोलंबकर, नगरसेविका राजेश्री सिवडकर, मुंबई महासचिव राजेश सिवडकर, जिला पदाधिकारी विनय गटानी सहित कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। समाजसेवी अनिल पटेल के साथ-साथ हेम भवन के सभी रहिवासियों की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्राप्त हुई। उल्लेखनीय है कि हेम भवन में माघी गणेश पूजा पिछले 24 वर्षों से लगातार विधि-विधानपूर्वक संपन्न होती आ रही है, जो इस परिसर की गहरी धार्मिक आस्था और परंपरा को दशार्ती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भूमि पर नारियल फोड़कर विधिवत पूजा संपन्न की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय और शांतिपूर्ण बना रहा। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं रहिवासियों ने एक-दूसरे को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं तथा हेम भवन के उज्ज्वल भविष्य, विकास और समृद्धि की कामना की।

सर्व समाज द्वारा आज भायंदर में भव्य बिरहा का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर में सर्व समाज संस्था द्वारा आज यानि 25 जनवरी को भव्य बिरहा का आयोजन किया गया है। उपरोक्त कार्यक्रम एच. पी. गैस गोडाउन के पास, घोडदेव नाका, नजदीक हनुमान मंदिर, भायंदर पूर्व में शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक उत्तर प्रदेश का पसंदीदा गाना बिरहा का मुकाबला प्रसिद्ध बिरहा गायक राम जनम जांबाज (टोपी वाले) एवं प्रीती पाल के बीच जोरदार मुकाबला होना है। मुख्य आयोजक देवराज यादव ने बताया की विगत कई वर्षो से भायंदर में बिरहा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी संस्था के राम सबद यादव,, देवराज यादव, सभाजित शास्त्री, राम बचन पाल, राज देव पाल, मंगल पाल, राज भानुशाली, ओम प्रकाश यादव, धनंजय बिन्द, सभाजीत यादव, श्याम नारायण यादव, श्रवण कुमार यादव, राम धन यादव, राम प्रकाश यादव (मंत्री जी) के साथ साथ संस्था के सभी कार्यकर्ता कार्यरत है। उपरोक्त कार्यक्रम सर्व सामाज द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें देवराज यादव ने ज्यादा से ज्यादा लोगो को आकर बिरहा का आनंद लेने का अनुरोध किये है।

पुरानी रंजिश को लेकर प्रधान पर हुआ जानलेवा हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र के आनापुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर प्रधान पर जानलेवा हमला का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उक्त गांव के प्रधान सनोज कुमार पटेल 33 वर्ष पुत्र सोमनाथ पटेल शुक्रवार की शाम लगभग 7:00 बजे अपनी बाइक से तेरहवीं के निमंत्रण से वापस लौट रहे थे। प्रधान पर जान लेवा हमला करने की नीयत से घात लगाकर बैठे 6 और सात की संख्या में लोगों ने प्रधान को देखते ही उनके ऊपर लोहे के राड लाठी से हमला कर दिया। प्रधान की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों समेत परिवार के लोग में दौड़कर उन्हें बचाया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानी थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर भेज कर घायल ग्राम प्रधान का चिकित्सकीय परीक्षण कराया। चिकित्सक ने गम्भीर चोट लगने के कारण प्रधान को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। ग्राम प्रधान पर हुए हमले को लेकर ग्रामीणों में जहां आक्रोश व्याप्त है वहीं पुलिस हमलावरों की तलाश में जुट गई है।

भारत-ईयू एफटीए में कालीन उद्योग को शून्य शुल्क की दरकार

वाराणसी. लाखों ग्रामीण कारीगरों और बुनकरों की आजीविका से जुड़ा भारतीय कालीन उद्योग टैरिफ बाधाओं के चलते गंभीर दबाव में है। यह उद्योग हर वर्ष यूरोपीय संघ को 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के कालीनों का निर्यात करता है, लेकिन शुल्क संबंधी अड़चनें इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कमजोर कर रही हैं। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने भारतझ्रयूरोपीय संघ व्यापार वाताओं में लगातार कालीन उत्पादों को शून्य शुल्क के दायरे में शामिल करने की मांग उठाई है। परिषद का कहना है कि मौजूदा शुल्क व्यवस्था से निर्यातकों की लागत बढ़ रही है, जिसका सीधा असर भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी, जयपुर और कश्मीर जैसे पारंपरिक कालीन केंद्रों पर पड़ रहा है। भारतझ्ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। उद्योग जगत को उम्मीद है कि इस समझौते में कालीन क्षेत्र को यूरोपीय बाजार में पूर्ण शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। इससे न केवल पारंपरिक बुनकरों और कारीगरों की आजीविका सुरक्षित होगी, बल्कि यूरोपीय संघ के बाजार में भारतीय कालीनों की मौजूदगी भी मजबूत होगी। निर्यातकों का मानना है कि एफटीए में अनुकूल प्रावधान होने से यह श्रम-प्रधान और विरासत आधारित उद्योग नई गति पकड़ सकेगा और ग्रामीण रोजगार को भी मजबूती मिलेगी।

घर में घुसकर मारपीट करने वाले, दो सगे भाई को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला नईगंज तिराहे के पास कार हटाने के मामले को लेकर दबंगों ने हमला कर घर में घुस कर नाबालिक लड़की और लड़के को जमकर पीट दिया। हमलावरों ने सरे आम तोड़फोड़ भी किया। यह घटना शुक्रवार शाम लगभग 5:30 की है। लल्ला यादव के मकान के सामने आर्टिका कार सवार कहीं गए हुए थे। जिसके कारण यादव परिवार के लोगों को घर से निकलने का रास्ता बंद हो गया था। लौटकर जब कार सवार वापस आए तो मकान स्वामी द्वारा कार को हटाने के लिए कहा जिससे दोनों के बीच कहां सुनी हो गई। कहा सुनी के दौरान बात इतनी बिगड़ गई की कार सवार युवकों ने आवेश में आकर अच्छा खासा तांडव कर डाला। युवाओं ने ईंट पत्थर से मारकर घर के सामने लगा बिजली का मीटर और दरवाजा तोड़ दिया। इतना ही नहीं इन हमलावरों ने घर में घुसकर लल्ला यादव के 18 वर्षीय पुत्र सौरभ यादव और 16 वर्षी पुत्री श्रेया यादव को भी घर से घसीट कर बाहर लाकर पीट दिया। घटना के समय आसपास व राहगीरों की अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हो गई। यादव पक्ष के द्वारा घटना की सूचना 112 पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही 112 पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची गई। सरेआम काफी देर तक तांडव करने वाले लोगों में दो लोगों के खिलाफ नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। कोतवाली पुलिस ने नामजद किए गए दो सगे भाइयों को मनीष कुमार सिंह और आकाश कुमार सिंह पुत्रगण सुरेश कुमार सिंह निवासी भिउरहा थाना बक्सा को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया है। फिलहाल पॉलिटेक्निक चौराहे से लेकर मुरादगंज बाईपास तक सड़क की दोनों पटरियों पर बने नर्सिंग होम हॉस्पिटल संचालक द्वारा पार्किंग ना बनाए जाने के कारण गाड़ियों का सड़क पर खड़े रहने से जहां दुर्घटना का खतरा बना रहता है वही इसे हटाने को लेकर आए दिन झगड़े हुआ करते हैं।